Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 14 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 60 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SAMARTH ACADEMY
JEE (MAIN & ADVANCED), NEET, FOUNDATION
Admission is going on for
JEE & NEET Batches
We don't show fake & outsider results,
we believe in Quality Education & our Classroom Results
OUR GEMS (TOP NITIAN & IITIAN)

Room No. 604 & 610, 6th Floor, Hariom Tower, Ranchi 8969479524, 8789449524

CC COMMERCE CONCEPT
अब Ratu Road के Piska More में भी
CUET (UG)
COMMON UNIVERSITY ENTRANCE TEST
2025
ADMISSION OPEN
Targeted Batch for Commerce CUET 2025
COMPLETE CUET COMMERCE SYLLABUS
MOCK TEST WITH SOLUTIONS

Fresh New Batch Starts on 24 March 2025
9304739493
Piska More Ratu Road Ranchi (JHARKHAND)

CAR Connection
ALL MAKES | ALL MODELS | LOW PRICE
USED CAR
SALE PURCHASE
AND FINANCE

+91 62039 49377, +91 6287322514
Ratu chatti, Opposite - Aadiwasi
Baal Vikash School

Rinku Das
न्यू होली की हार्दिक शुभकामनाएं...
दास म्युजिकल स्टोर्स
New Das Musical Stores
Opp. Sankat Mochan Hanuman Mandir
Main Road, Ranchi - 1 (Jharkhand)
Deals in:
YAMAHA, ZOOM, AERON, behringer, BASIX DRUMS, MAPEX, AHUJA, Cort, D'Addario, DEAN GUITARS, DigiTech, ESP, Fender, Gibson, Hertz, BOSS, Ibanez, KORG, Pluto, M-AUDIO, CASIO, Roland, Studiomaster, SoundX
Phone : 0651-2201778
Mobile : 98351-64815, 72509-33033

'अपना घर' वृद्धाश्रम में मनाया गया होली मिलन समारोह

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को 'अपना घर' वृद्धाश्रम में झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता सह मानवाधिकार एक्टिविस्ट रूना शुक्ला द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रूना शुक्ला ने वृद्ध जनों को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कहा कि त्योहार कोई भी हो सभी में खुशी छिपी होती है और खुशी पर सबका अधिकार होता है चाहे वह बच्चे हों, युवा हों या बुजुर्ग। जब रंग किसी से भेदभाव नहीं करता तो हम इंसान क्यों भेदभाव करें। बुजुर्गों को क्यों रंगों से दूर रखें। रंगों पर उनका भी उतना ही हक है, जितना औरों का। सुख और दुख तो जीवन का हिस्सा है। वैसे लोग जो अपने परिवार के साथ होली नहीं मना पाते हैं, उन तक सभी त्योहार में खुशियां देने का प्रयास करती आ रही हूं।

रहती हैं झारखंड के बाहर की भी महिलाएं

सिंह मोड़ स्थित वृद्धाश्रम 'अपना घर' में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों की वृद्ध महिलाएं यहां रहती हैं। वह अपने परिवार को होली जैसे त्योहार में काफी याद करती हैं। उनकी यह कमी को कम करने का प्रयास किया गया है। मौके पर उनके पति कर्नल रवि शुक्ला की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर बुजुर्गों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। कर्नल रवि शुक्ला की पुत्री आद्रिका ने बताया कि प्रत्येक साल पापा की पुण्यतिथि गरीबों व जरूरतमंदों के बीच हम मानते आ रहे हैं। इस बार होली का भी मौका है बुजुर्गों के साथ होली मनाने का मजा ही कुछ और है। मौके पर अर्जुन राउत, लली कुमार, बालक लोहरा आदि उपस्थित थे।

होली को लेकर रिम्स में दो दिन रहेगी छुट्टी, अब 16 से खुलेगा ओपीडी

PHOTON NEWS RANCHI : होली को लेकर झारखंड सरकार ने 15 मार्च को भी छुट्टी की घोषणा कर दी है। ऐसे में राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स द्वारा भी इस अधिसूचना का पालन करते हुए 15 मार्च को विभिन्न विभागों में छुट्टी रहेगी। विशेष रूप से रिम्स के ओपीडी, निदेशक कार्यालय, चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, सभी विभाग पुस्तकालय, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, पैथोलॉजी विभाग, बायो केमिस्ट्री विभाग और एमआरडी के अलावा सेंट्रल पैथोलॉजी विभाग बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, रिम्स अस्पताल की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि 14 मार्च शुक्रवार को भी होली के अवसर पर ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। इस दिन पहले से ही होली का अवकाश घोषित किया गया था, इसके चलते ओपीडी में किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

चालू रहेंगी इमरजेंसी सेवाएं : 15 मार्च को इमरजेंसी सेवाएं जैसे आकस्मिक विभाग, इनडोर, ब्लड बैंक, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, रेडियोलॉजी विभाग और किचेन जैसी आवश्यक सेवाएं अपनी नियमित कार्यप्रणाली के अनुसार चालू रहेंगी। यह सेवाएं हर दिन की तरह काम करती रहेंगी, जिससे अस्पताल में इलाज और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन निर्बाध रूप से होता रहेगा।

जनता से छुट्टी का ध्यान रखने की अपील : इस निर्णय के तहत अस्पताल प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इन तारीखों का ध्यान रखें। जिससे संबंधित विभागों में बेवजह नहीं आना पड़ेगा। छुट्टी के बाद सभी ओपीडी और विभाग पूर्व की तरह चालू हो जाएंगे। फिलहाल अस्पताल 14 और 15 को होली को लेकर बंद रहेगा। 16 को रविवार रहने के कारण भी ओपीडी बंद रहेगा। सोमवार से ही ओपीडी सेवाएं चालू होंगी। बता दें कि पूर्व से 14 मार्च को होली की छुट्टी थी। झारखंड राज्य के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, रांची द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई। जिसमें 15 मार्च 2025 शनिवार को एनआई एक्ट के तहत राज्य स्तर पर अवकाश घोषित किया गया है।

ये विभाग रहेंगे बंद

विशेष रूप से रिम्स के ओपीडी, निदेशक कार्यालय, चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, सभी विभाग पुस्तकालय, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, पैथोलॉजी विभाग, बायो केमिस्ट्री विभाग और एमआरडी के अलावा सेंट्रल पैथोलॉजी विभाग बंद रहेंगे

BRIEF NEWS

झारखंड के शिक्षा मंत्री के छोटे भाई का निधन

RANCHI : झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के छोटे भाई राम सोरेन का निधन हो गया है। वे रिम्स में इलाजरत थे। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने भाई के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा आज मेरे छोटे भाई राम सोरेन का निधन हो गया। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और संगति हमेशा याद आएगी।

रांची बंद का समर्थन नहीं करेगी सरना प्रार्थना सभा

RANCHI : सरना प्रार्थना सभा राज्य के विभिन्न आदिवासी गठनों की ओर से सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल के सामने से सिरमटोली फ्लाईओवर का रैंप नहीं हटाने के विरोध में रांची बंद समेत अन्य आंदोलनों का समर्थन नहीं करेगी। यह जानकारी सरना प्रार्थना सभा के सचिव सोनू खलखो ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से किया जा रहा है यह विरोध राजनीति से प्रेरित है। इसलिए इन तीनों कार्यक्रमों का सरना प्रार्थना सभा रांची महासभा समर्थन नहीं करेगी।

दो बाइकों की भिड़ंत में दो घायल, एक गंभीर, रिम्स रेफर

RANCHI : गुरुवार को बेड़ो में रांची-गुमला मुख्य सड़क पर नगड़ीटोली मोड़ के समीप दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए। एक बाइक सवार अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों की पहचान महेश तिर्की (25), निवासी बनोहोर, पंडरा, रांची और बछी उराइन (56), निवासी खिरदा, बेड़ो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, महेश तिर्की अपनी बाइक से बनोहोर से खिरदा जा रहे थे, तभी नगड़ीटोली मोड़ पर एक अज्ञात बाइक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दूसरी बाइक का सवार अपनी गाड़ी लेकर भाग निकला। घटना के बाद सड़क से गुजर रहे पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया।

मिक्स कचरे का नहीं होगा उठाव, गीला-सूखा कचरा अलग रखने की निगम कर रहा अपील

आप सुधार लें अपनी आदत, नहीं तो झेलनी पड़ सकती है भारी परेशानी

VIVEK SHARMA RANCHI : अगर आप भी रांची नगर निगम क्षेत्र में रहते हैं तो अपनी आदत सुधार लें। ऐसा नहीं करने पर आपको भारी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। जी हां, अब घर में गीला और सूखा कचरा हर हाल में अलग-अलग रखना होगा। मिक्स कचरा रखने की स्थिति में निगम के सफाई कर्मी आपके घरों से कचरा कलेक्शन नहीं करेंगे। कचरा आपके घरों में ही पड़ा रहेगा। अब रांची नगर निगम ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें, ताकि कचरा उठाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाया जा सके। निगम का यह कदम स्वच्छता अभियान को सफल बनाने और कचरे के उचित प्रबंधन में मदद करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

» हर दिन बायो गैस प्लांट को देना है डेढ़ टन गीला कचरा

» रांची नगर निगम में रजिस्टर्ड हैं सवा दो लाख हाउस होल्डर्स

किया जा रहा जागरूक

रांची नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे दो बिन अभियान के तहत, निगम की आईईसी टीम घर-घर जाकर नागरिकों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने की आवश्यकता और इसके महत्व के बारे में जागरूक कर रही है। इस अभियान के जरिए, नागरिकों को कचरे के सोर्स सेग्रीगेशन के महत्व को समझाया जा रहा है। इससे नगर निगम को कचरे के उचित डिस्पोजल में मदद मिलेगी और स्वच्छता में सुधार होगा।

स्वच्छता के लिए खुद करनी होगी पहल

नगर निगम का कहना है कि शहर में हर दिन करीब डेढ़ टन गीला कचरा बायो गैस प्लांट में भेजना है। इसके लिए कचरे का सही तरीके से सेग्रीगेशन किया जाना बेहद जरूरी है। गीला कचरा (जैसे कि खाद्य अपशिष्ट) और सूखा कचरा (जैसे कि प्लास्टिक, कागज, कांच) अगर अलग-अलग नहीं रखा जाएगा, तो निगम द्वारा कचरे का उठाव नहीं किया जाएगा। निगम का स्पष्ट संदेश है कि कचरे का उचित सेग्रिगेशन स्वच्छता के लिहाज से अनिवार्य है और इसे नागरिकों को ध्यान में रखते हुए ही किया जा सकता है।

कचरा निस्तारण का सही तरीका अपनाना जरूरी

रांची नगर निगम में कुल सवा दो लाख हाउस होल्डर रजिस्टर्ड हैं। यह अभियान इन सभी हाउस होल्डर्स तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के तहत, निगम के कर्मचारी घरों में जाकर नागरिकों को कचरा सेग्रिगेशन की जानकारी दे रहे हैं। उन्हें गीला तथा सूखा कचरा अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों में ही कचरा डाले जाने की अपील की जा रही है, ताकि कचरे का सही तरीके से निस्तारण हो सके। बता दें कि शहर से हर दिन 6 हजार मीट्रिक टन कचरा हर दिन निकल रहा है। ऐसे में डिस्पोजल के लिए गीला और सूखा कचरा रखना है।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से संबंधित किसी भी असुविधा के लिए

हेल्पलाइन नंबर

9204822445

ट्राइबल उत्थान की स्कीम का पालन नहीं करने संबंधी पीआईएल को हाईकोर्ट ने किया खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड के गरीब तबके के ट्राइबल के सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें ट्रैक्टर, सवारी गाड़ी, टाटा मैजिक आदि उपलब्ध कराने संबंधी केंद्र सरकार की स्कीम का वर्ष 2009 से झारखंड में अनुपालन नहीं होने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की खंडपीठ ने मामले में राज्य सरकार का जवाब देखते हुए इस जनहित याचिका को निष्पादित करते हुए खारिज कर दिया।

दरअसल, केंद्र सरकार की ओर से राज्य के गरीब एवं बेरोजगार ट्राइबल के सामाजिक उत्थान को लेकर स्कीम के तहत उन्हें ट्रैक्टर, सवारी गाड़ी, टाटा मैजिक आदि बांटा जाना था। प्रार्थी झारखंड प्रदेश किसान महासभा की ओर से जनहित याचिका दाखिल कर कहा गया था कि झारखंड में इस स्कीम के तहत वर्ष 2009 से लाभुकों को सरकार की इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को इलाज के लिए रिम्स शिफ्ट करने का निर्देश

RANCHI : गुरुवार को प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिब्रेशन फ्रंट आफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो दिनेश गोप की ओर से बेहतर इलाज को लेकर दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि न्यूरो सर्जन रिम्स में उपलब्ध है। इसलिए रिम्स में दिनेश गोप का बेहतर इलाज संभव है। कोर्ट ने दिनेश गोप को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में शिफ्ट करने का निर्देश देते हुए राज्य सरकार को इस संबंध में उठाए कदम की जानकारी देने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च निर्धारित की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि दिनेश गोप के बेहतर इलाज के लिए रिम्स या देवघर एम्स में न्यूरो सर्जन की व्यवस्था है या नहीं। इस पर राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रिम्स में यह सुविधा है, देवघर एम्स में यह सुविधा नहीं है।

सूरज मंडल ने की कोल इंडिया अध्यक्ष से मुलाकात

RANCHI : पूर्व सांसद और झारखंड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने गुरुवार को कोल इंडिया के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान डॉ मंडल ने कोल इंडिया के अध्यक्ष से झारखंड में अवैध कोयला खनन और ढुलाई पर रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाने के साथ ही कोयला खनन क्षेत्रों के समन्वित और संतुलित विकास के लिये कोल इंडिया के प्रयासों को बढ़ाने के लिये कहा। मौके पर डॉ मंडल ने कहा कि कोल इंडिया को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपनी भूमिका का और भी अधिक विस्तार करना चाहिये, क्योंकि कोयला क्षेत्रों में इसकी बेहद जरूरत है। वरिष्ठ भाजपा नेता के अनुसार प्रसाद ने उन्हें बताया कि श्रमिक और श्रमिक संगठनों के सहयोग से कोल इंडिया और इसकी सभी आनुशंगिक इकाइयां अपने उत्पादन को बढ़ाने के प्रति संकल्पित हैं।

प्रोजेक्ट वैलिडिटी एक्सपायर होने के बाद एक्ट और रूल्स के अनुसार होगी कार्रवाई

रेरा का बिल्डरों को आदेश, जल्द जमा करें प्रोजेक्ट का आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड रियल एस्टेट रेगुलेटरी आथोरिटी (झारेरा) बिल्डरों के खिलाफ सख्त मूड में है। बिल्डरों की मनमानी पर रोक लगाने को लेकर अब रेरा ने उनसे प्रोजेक्ट का आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जमा कराने को कहा है। प्रोजेक्ट वैलिडिटी एक्सपायर होने से पहले उन्हें सर्टिफिकेट जमा कराने को कहा है। ऐसा नहीं करने की स्थिति में उनपर रेरा एक्ट और रूल्स के तहत कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बिल्डरों की मनमानी से ग्राहकों को बचाने के लिए ही झारेरा का गठन किया गया है। इसके बाद ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा के लिए रेरा लगातार एक्शन मोड में है।

रेरा में ऑनलाइन रजिस्टर्ड हैं 959 प्रोजेक्ट

रांची समेत राज्य के कई जिलों में चल रहे रियल इस्टेट प्रोजेक्ट के लिए बिल्डरों ने रेरा में रजिस्ट्रेशन कराया है। जिन्होंने रेरा में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराया था, उन बिल्डरों को रेरा ने सभी डॉक्यूमेंट्स आनलाइन जमा कराने को कहा था। लेकिन, बिल्डर इसमें इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र 78 बिल्डरों ने प्रोजेक्ट की रिपोर्ट ऑफलाइन से ऑनलाइन के लिए अपडेट किया है। वहीं ऑनलाइन डॉक्यूमेंट जमा कराने से कतरा रहे है कि कहीं उनकी पोल न खुल जाए। रेरा के गठन के बाद से प्रोजेक्ट की ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या 620 है। वहीं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वाले 959 है। रेरा ने सभी बिल्डरों से अपील की है कि जिन्होंने ऑफलाइन से ऑनलाइन में रजिस्ट्रेशन में डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं किया है वे जल्द से जल्द डॉक्यूमेंट अपलोड कर दे। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

ईसीआई के निर्देश पर किया जा रहा मतदाता सूची का प्रकाशन

निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा राज्य निर्वाचन आयोग

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में नगर निकायों के चुनाव की तैयारी राज्य निर्वाचन आयोग ने शुरू कर दी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। राज्य में नगर निकाय चुनाव एक अक्टूबर 2024 को अर्हता तिथि के आधार पर होगा। इस तिथि तक वैसे सभी मतदाता, जिनके नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हैं, उन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त होगा। भारत निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची प्राप्त होने के बाद उसका विखंडन करते हुए जिलों में मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। झारखंड के 13 नगर निकायों में 2020 से ही चुनाव लंबित है। चुनाव नहीं होने से केंद्र ने नगर निकायों के लिए दिए जाने वाले वित्तीय अनुदान पर भी रोक लगा दी है।

मतदाताओं की ली जा रहीं आपत्तियां : राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विभिन्न जिलों में मतदाता सूची के प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उसपर आपत्तियां ली जा रही हैं। यह निकाय चुनाव की प्रारंभिक प्रक्रिया है। इसके पूरे होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपी गई मतदाता सूची के आधार पर ही राज्य में विधानसभा चुनाव हुआ था।

एक अक्टूबर 2024 को अर्हता तिथि के आधार पर संपन्न होगी चुनावी प्रक्रिया

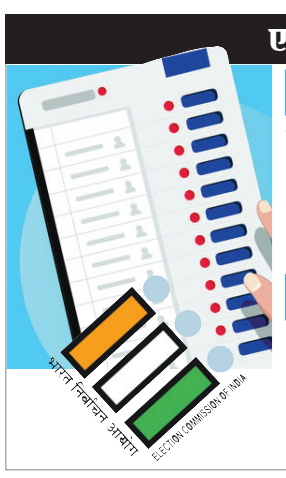

ट्रिपल टेस्ट का प्रोसेस अंतिम चरण में

इसके बाद मतदाता सूची का पुनरीक्षण नहीं हुआ है। राज्य निर्वाचन आयोग ने भी उसी मतदाता सूची के आधार पर राज्य में नगर निकाय चुनाव कराने की जानकारी झारखंड उच्च न्यायालय में दी है। इधर, राज्य सरकार के निर्देश पर झारखंड पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा कराए जा रहे ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। हालांकि इस सर्वे की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद नगर निकायों में ट्रिपल टेस्ट के जरिए ओबीसी आरक्षण तय किया जाना है। इस उद्देश्य से डोर टू डोर सर्वे का काम चल रहा है।

मई-जून में हो सकते हैं चुनाव

राज्य में लंबित निकाय चुनाव मई-जून माह में हो सकता है। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव की तैयारियों में लगा है। आयोग द्वारा नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के विभिन्न पदों के लिए होने वाले चुनाव के लिए वार्डों के पुनर्गठन का काम भी पूरा कर लिया गया है। इसी के आधार पर मतदाता सूची का विखंडन किया जा रहा है। कयास लगाया जा रहा है कि मई-जून में चुनाव नहीं होने से यह आगे के लिए टल जाएगा, क्योंकि इसके बाद राज्य में वर्षा शुरू हो जाएगी। ऐसे में फिर नवंबर-दिसंबर माह में चुनाव हो सकेगा।

बाजार से बाइक की चोरी थाने में दी गई सूचना

RANCHI : गुरुवार को बेड़ो थाना क्षेत्र के ईटा कठरटोली गांव निवासी लाल सत्येंद्र नाथ की मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। लाल सत्येंद्र नाथ अपने JHOIDF/2514 नंबर की मोटरसाइकिल से सब्जी खरीदने बाजार आए थे। उन्होंने अपनी गाड़ी बाजार में खड़ी की और खरीदारी में लग गए। जब वह वापस लौटे तो उनकी मोटरसाइकिल मौके से गायब थी। खोजबीन के बावजूद जब मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला, तो उन्होंने इसकी सूचना बेड़ो थाने में दी। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एचईसी कर्मियों को मिला महज 15 दिनों का वेतन, मजदूर संगठनों ने जताया आक्रोश

PHOTON NEWS RANCHI : एचईसी के लगभग दो हजार कर्मियों को महज 15 दिनों का वेतन दिया गया है। इसे लेकर स्थाई और सप्लाई कर्मियों में काफी गुस्सा है। एचईसी प्रबंधन पर कर्मियों का लगभग 27-28 माह का वेतन बकाया है। प्रबंधन के रवैये को लेकर एचईसी के विभिन्न मजदूर संगठनों में भी गुस्सा है।

इस मामले पर एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रामाशंकर प्रसाद का कहना है कि 15 दिनों के वेतन से कर्मियों का कोई भला नहीं होने वाला है। प्रबंधन की नीतियों के कारण कर्मचारियों के समक्ष जीवन-मरण का सवाल खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि वेतन भुगतान को लेकर जब प्रबंधन से बात की जाती है तो प्रबंधन कहता है कि जब पैसा होगा तो वेतन दिया जाएगा।

वहीं सीटू के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और हटिया मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह का कहना है कि एचईसी को लेकर केंद्र सरकार ढीला-ढाला रवैया अपना रही है। केंद्र सरकार पर एचईसी का 47 करोड़ रुपये बकाया है, लेकिन केंद्र सरकार भुगतान नहीं कर रही है। इससे कर्मियों के वेतन और नया ऑर्डर के लिए सामग्रियों की खरीदारी का काम अटका हुआ है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 14 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 60 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

विधि-विधान के साथ होलिका दहन संपन्न

गुरुवार को रात में होलिका दहन संपन्न हो गया। एक दिन गैप के बाद 15 मार्च को होली मनाई जाएगी। राजधानी रांची में होलिका दहन के लिए सुबह से ही तैयारी शुरू कर दी गई थी। कई जगहों पर लकड़ी के ढेर रखे गए थे। दिन में होलिका दहनवाले स्थान की साफ-सफाई कर वहां लकड़ी के ढेर को सजाया गया और रात में पूजा-अर्चना कर इसे प्रज्वलित किया गया। इसके बाद लोगों ने भगवान से नया साल अच्छे से बीते, इसके लिए कामना कर होलिका में पकवान और चना की झंगरी, गेहूं की बाली अर्पित की। फसलें अच्छे से घर आने की कामना की। होलिका दहन को लेकर सुबह से ही बाजारों से लोगों ने इसमें डालने वाली सामाग्री की खरीदारी की। कई लोगों ने गोइंठा की माला, फल, फूल सहित अन्य सामान की खरीदारी की। उसके बाद घरों में आकर पूजा-अर्चना की।

अचानक झुमरा पहाड़ के जंगल में लग गई भीषण आग

जमनी जरा और सरैया पानी में तेजी से फैलती जा रहीं आग की लपटें

जल्द से जल्द काबू नहीं पाया गया तो वन संपदा का होगा बड़ा नुकसान

PHOTON NEWS BOKARO :

अचानक बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में पचमो पंचायत के तेनुघाट वन क्षेत्र के झुमरा पहाड़ के जंगल में भीषण आग लग गई है। इस आज के कारण ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। अगर वन विभाग ने जल्द आग पर काबू नहीं पाया, तो बड़े पैमाने पर वन संपदा का नुकसान होने की आशंका है। आग जमनी जरा और सरैया पानी के जंगल में लगी है। बुधवार को लगी आग ने धीरे-धीरे गुरुवार तक विकराल रूप ले लिया। आग घने जंगल की ओर बढ़ रहा है, जिसने ग्रामीणों और वन विभाग दोनों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर आग को नहीं बुझाया गया, तो पूरा झुमरा पहाड़ इसकी चपेट में आ जाएगा। जंगल में बसे गांव के लोग संकट में आ जाएंगे। आग लगने के बाद जमनी जरा गांव के आधा दर्जन युवक उसे बुझाने में जुट गए हैं। उनका कहना है कि हमलोग घर में बकरी पालन करते हैं। घर में मवेशी भी हैं। जंगल की आग नहीं बुझी, तो चारागाह खत्म हो जाएगा। कीमती लकड़ियों के साथ-साथ जंगली बांस भी बर्बाद हो जाएंगे।

- बढ़ी परेशानी, अपने स्तर से आसपास के गांवों के युवक आग बुझाने में जुटे
- कीमती लकड़ियों के साथ-साथ जंगली बांस भी हो जाएंगे बर्बाद

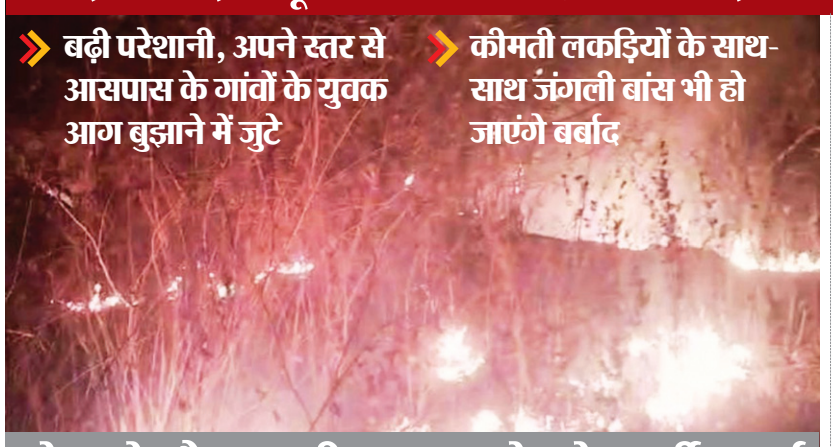

बोकारो और हजारीबाग वन क्षेत्र के कर्मी अलर्ट

एक सप्ताह पहले भी लगी थी आग

ग्रामीणों ने कहा कि अपने स्तर से वे लोग जंगल में लगी आग को बुझाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह पहले भी झुमरा पहाड़ के इलाके में जंगल में आग लगी थी। तब ग्रामीणों के सहयोग से उस पर काबू पा लिया गया था। वन विभाग के कर्मचारियों ने रात-दिन की मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया था। जंगल में आग लगने के बारे में जब वनकर्मियों से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि झुमरा पहाड़ बहुत बड़ा क्षेत्र है। बोकारो और हजारीबाग दोनों जिले के इलाके इस क्षेत्र में आते हैं।

इफ्तार (शुक्रवार) : 06:00
सेहरी (शनिवार) : 04:39

अवकाश की सूचना

होली के शुभ अवसर पर 'द फोटोन न्यूज' कार्यालय में 14 और 15 मार्च को अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 17 मार्च को बाजार में आएगा। इस दौरान अपने शहर, झारखंड और देश-दुनिया की खबरों से खुद को अपडेट रखने के लिए www.thephotonnews.com पर जाएं।

शुभकामना संदेश

होली के अवसर 'द फोटोन न्यूज' परिवार की ओर से सभी पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं व हॉकर बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

SHARE

सेंसेक्स	:	82,948.23
निफ्टी	:	25,377.55

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अंतरिक्ष में सफल हुई स्पैडेक्स मिशन की अनडॉकिंग

NEW DELHI : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसरो ने स्पेडेक्स मिशन में अनडॉकिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया है। गुरुवार को इसरो ने एक्स पर तस्वीरें जारी करते हुए यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि मिशन की लॉन्चिंग के बाद 2 अलग-अलग सेटेलाइट्स को स्पेस में आपस मे जोड़कर इसरो ने इतिहास लिखा था। आपस में जुड़े इन दो सेटेलाइट्स को फिर से सफलता पूर्वक अलग कर दिया गया। स्पेस में 2 अलग-अलग सेटेलाइट को जोड़ने और अलग करने के ऐसे प्रयोग और भी होंगे।

होली पर तैयारी : हर जगह अलर्ट मोड में पुलिस, असामाजिक तत्वों पर रहेगी विशेष नजर

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में कड़ी सुरक्षा

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर झारखंड में अतिरिक्त 10 हजार पुलिस फोर्स की हुई तैनाती

- संवेदनशील इलाकों में खास चौकसी के साथ निगरानी रखने का डीजेपी ने दिया निर्देश
- रांची, हजारीबाग, गिरीडीह, दुमका और जमशेदपुर में रैप की कंपनी को किया गया है तैनात
- दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों से लैस रहेंगे सुरक्षा बलों के जवान और दंडाधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में 13 मार्च को होलिका दहन के एक दिन गैप के बाद 15 मार्च को होली मनाई जा रही है। होली पर्व को लेकर राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर राज्य में लगभग 10 हजार अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई है। होली को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर राज्यभर में अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने बताया कि इस होली के दिन रमजान का जुमा पड़ रहा है। इसको लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मुख्यालय ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को सुरक्षा के मद्देनजर विशेष निर्देश दिए हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने पीसीआर, टाइगर पुलिस और बीट पुलिस से भी लगातार संपर्क स्थापित करते रहने का निर्देश दिया गया है।

सभी एसएसपी और एसपी को करनी है मॉनिटरिंग

डीजीपी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 24 जिलों में कानून-व्यवस्था के लिए जैप, आईआरबी सहित अन्य बलों की तैनाती की जायेगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मुख्यालय संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही रांची, हजारीबाग, गिरीडीह, दुमका, जमशेदपुर में रैप की कंपनी भी तैनात रहेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की भी तैनाती की गई है। सभी को दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर तैनात रहने का निर्देश दिया गया है।

रांची में पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

रांची में होली और रमजान पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। रांची एसडीएम उत्कर्ष कुमार के नेतृत्व में एक फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल थे।

- सभी थाना प्रभारियों को शांति बनाए रखने के लिए जारी की गई गाइडलाइन
- होली के दिन रमजान का जुमा, इसलिए बरती जा रही सतर्कता

एक अरब से अधिक की शराब बिक्री का अनुमान

होली पर इस बार जमकर शराब की खपत होगी। अनुमान है कि राज्य में एक अरब से अधिक की शराब की खपत होगी। सभी अधिकृत सरकारी शराब दुकानों में पर्याप्त स्टॉक कर लिया है। हालांकि, बड़े ब्रांड की शराब नहीं मिलने से शराब पीने के शौकीनों को थोड़ी निराशा जरूर होगी। इन सबके बीच उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने लोगों से नकली शराब से दूर रहने की अपील की है और अधिकारियों को नकली शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। विभागीय मंत्री ने कहा कि हम होली के लिए नहीं, बल्कि 2700 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य को पार करने में जरूर सफल होंगे। चूंकि वित्तीय वर्ष का समापन भी इसी महीने है, ऐसे में हम 31 मार्च तक लक्ष्य से अधिक राजस्व प्राप्त करने में जरूर सफल होंगे। होली को लेकर शराब की दुकानों पर भीड़ लगनी शुरू हो गई है। राज्य सरकार द्वारा 15 मार्च को होली पर ड्राई डे घोषित किए जाने के कारण शराब प्रेमियों ने दो दिन पहले से ही इसकी खरीदारी शुरू कर दी है।

- पहले से दुकानों पर उमड़ने लगी भीड़, कल रहेगा ड्राई डे

सीबीआई कोर्ट में अग्रिम जमानत पर सुनवाई

जेपीएससी घोटाला : दो प्रोफेसरों को नहीं मिली बेल

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जेपीएससी घोटाले के दो आरोपी- डॉ. समृता कुमारी और डॉ. सिकरादास तिर्की की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। सीबीआई ने इन दोनों प्रोफेसरों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें दोनों पर मनपसंद परीक्षार्थियों का नंबर बढ़ाने का आरोप लगाया गया था। इन दोनों प्रोफेसरों की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका में खुद को निर्दोष बताया गया था। याचिका में कहा गया था कि सीबीआई ने उन्हें जानबूझ कर इस मामले में फंसाया है।

- दोनों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है सीबीआई

सीबीएसई ने होली को देखते हुए छात्रों को परीक्षा छोड़ने का दिया विकल्प

RANCHI : सीबीएसई ने होली के कारण 15 मार्च की परीक्षा के लिए विशेष व्यवस्था दी है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज के अनुसार, सीबीएसई को सूचना मिली है कि देश के अधिकतर हिस्सों में होली का त्योहार 14 मार्च को मनाया जाएगा। कुछ जगह पर यह 15 मार्च को भी है। इसलिए इसका प्रभाव 15 मार्च तक रह सकता है। ऐसे में कुछ छात्रों को परीक्षा देने में कठिनाई हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि जिन छात्रों के लिए 15 मार्च को परीक्षा देना संभव नहीं है, वो इस तिथि को परीक्षा में शामिल न होने का विकल्प चुन सकते हैं। ऐसे छात्रों को विशेष परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा।

दो दिनों में 2-3 डिग्री तक अधिकतम तापमान में हो सकता है इजाफा

आईएमडी ने होली पर जारी किया लू का येलो अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

इस बार होली में लू का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि 14 मार्च को लू चल सकती है। राजधानी रांची में भी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। 14 मार्च को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, वहीं न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 15 मार्च को तापमान और बढ़कर 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पांच जिलों में हीट वेव चलने की संभावना जताई गई है। इनमें पलामू, गढ़वा और कोल्हान के कई इलाके शामिल हैं।

पलामू में 38.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया मैक्सिमम टेंपरेचर

- सिमडेगा के बानो में 15.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया मिनिमम टेंपरेचर
- कल 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है राजधानी का अधिकतम तापमान

कुछ दिनों में तीन से छह डिग्री बढ़ गया तापमान

14 मार्च को पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में हीट वेव के आसार हैं। इन जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। गोड्डा, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। झारखंड में तापमान में पिछले कुछ दिनों में तीन से छह डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

बड़ी उपलब्धि क्लिनिकल परीक्षण में 90% से अधिक पाया गया असरदार

सर्वाइकल कैंसर की पुष्टि में सक्षम हो रहा स्वदेशी एआई मॉडल

बिजली और इंटरनेट की सहायता लिए बिना तस्वीरों पर आधारित है पूरी प्रक्रिया

भटिंडा के एम्स से जुड़े विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पूरी पद्धति को किया है विकसित

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

चिकित्सा जगत में तमाम बीमारियों के बीच आज भी डॉक्टरों के लिए कैंसर बड़ी चुनौती बना हुआ है। इलाज के पहले इसकी जांच और पुष्टि की तरह-तरह की प्रक्रिया अपनाई जाती है। हाल ही में भारत के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सर्वाइकल कैंसर की पुष्टि के लिए स्वदेशी एआई मॉडल तैयार किया है। इसमें तकनीकी विशेषज्ञों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस मॉडल की यह खासियत है कि इसे काम करने के लिए बिजली और इंटरनेट की जरूरत नहीं पड़ती। यह सिर्फ तस्वीरों के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर का पूवार्नुमान लगाने में सक्षम है। एम्स बठिंडा के डॉक्टरों ने इसका क्लिनिकल परीक्षण कर इसकी सफलता की जानकारी दी है। दी गई जानकारी के अनुसार, आयुष्मान आरोग्य केंद्रों सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में इस मॉडल को 90 फीसद से भी ज्यादा असरदार पाया गया है। पुणे स्थित पेरिविंकल टेक्नोलॉजीज कंपनी ने इस स्वदेशी एआई आधारित उपकरण को स्मार्ट स्कोप का नाम दिया है। यह केवल 30 सेकेंड में तस्वीरों के जरिये कैंसर स्क्रीनिंग करने में सक्षम है।

- केवल 30 सेकेंड में ही पूरा कर लिया जाता है कैंसर स्क्रीनिंग का प्रोसेस
- आयुष्मान आरोग्य केंद्रों सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में किया जा रहा प्रयोग
- इस मॉडल से अब तक हो चुकी है 3.5 लाख से अधिक महिलाओं की स्क्रीनिंग

महिलाओं में घावों और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों का पता लगाने में अधिक कारगर

एक स्क्रीन और रिमोट ही काफी

भारत के साथ-साथ अमेरिका, चीन और इजरायल सहित छह देशों में अनुमति पाने वाला यह स्वदेशी मॉडल एक स्क्रीन और रिमोट के जरिये काम करता है। एक टॉर्च रूपी रिमोट पर लगे कैमरे से तस्वीरें ली जाती हैं और एआई एल्गोरिदम उनका विश्लेषण करने में मदद करती है।

समय पर पहचान से प्रभावी इलाज

एमईआईटीवाई नैसकॉम सीओई के सीईओ संजीव मल्होत्रा ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर एक ऐसा रोग है, जिसे केवल समय पर पहचान कर ही प्रभावी रूप से इलाज किया जा सकता है। पंजाब के बठिंडा एम्स में इस एआई मॉडल पर काम किया जा रहा है। अभी तक के निष्कर्ष बताते हैं कि इस तकनीक से पहचाने गए संदिग्ध मामलों में से 24 प्रतिशत को आगे की जांच के लिए रेफर किया, जबकि 20 प्रतिशत को दवाएं शुरू की गईं। भारत में हर आठ मिनट में एक महिला की सर्वाइकल कैंसर से मौत हो रही है। भारतीय महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों यह दूसरा सबसे प्रमुख कारण है, जिसके लिए समय पर जांच न हो पाना और तीसरे या चौथी स्टेज में कैंसर का पता चलना जिम्मेदार है। इस कैंसर से बचाव के लिए केंद्र सरकार ने टीका भी मंजूर किया है, जो अब तक राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन पाया है।

समाचार सार

राधा-गोविंद मंदिर में खेली गई फूलों की होली

CHAKRADHARPUR : रेल नगरी चक्रधरपुर के पंचमोड़ स्थित श्रीश्री राधा-गोविंद मंदिर परिसर में बुधवार को श्रीश्री गौर पूर्णिमा (होली) महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल के साथ फूलों की होली खेली। इससे पहले पुजारी संजीव कुमार ने राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना की। आरती के बाद राधा-गोविंद की झांकी निकाली गई। इसी क्रम में हेमंत बृजवासी के नेतृत्व में भजन संध्या हुई। आयोजन में मंदिर के प्रमुख अधिवक्ता आदिकांत षाड़ंगी, शिव मोहंती, अनूप दास, अनुज प्रधान, मिथुन प्रधान, अभिषेक खलको, दमयंती नाग, रितुनाग आदि का योगदान रहा।

पंजाबी रिफ्यूजी कॉलोनी का 5 हजार जुर्माना माफ

JAMSHEDPUR : विधायक पूर्णिमा साहू ने गोलमुरी स्थित पंजाबी रिफ्यूटी कॉलोनी को लगा पानी कनेक्शन का जुर्माना माफ करा दिया है।

इसके लिए विधायक ने हाल ही में टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) चाणक्य चौधरी से मिली थीं, जिसमें उन्होंने जलापूर्ति, सीवरेज, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की थी। बैठक में विधायक ने खासतौर पर कुष्ठ आश्रम में रहने वालों के लिए नए बिजली कनेक्शन में लगने वाली सिक्योरिटी राशि में छूट देने की मांग रखी थी। इसके अलावा, उन्होंने पंजाबी रिफ्यूजी कॉलोनी में पानी कनेक्शन पर लगाए गए 5,000 रुपये के जुर्माने को समाप्त कर सभी परिवारों को वैध कनेक्शन देने की भी मांग की थी। विधायक की मांग पर टाटा स्टील प्रबंधन ने पंजाबी रिफ्यूजी कॉलोनी में लगाए गए जुमार्ने को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, कुष्ठ आश्रम में रहने वाले परिवारों को नए बिजली कनेक्शन के लिए सिक्योरिटी राशि से छूट देने की भी स्वीकृति दे दी गई है।

समाजसेवी डॉ. आरके प्रजापति का निधन

JAMSHEDPUR : गायत्री परिवार के वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता डॉ. आरके प्रजापति को पिछले महीने दुमका में ब्रेन हैमरेज हो गया था। तब से कल तक पहले ब्रह्मानंद, फिर सदर हॉस्पिटल में वे कोमा में थे। 12 मार्च को दोपहर 3 बजे उनका निधन हो गया। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार सुबह 10 बजे भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर किया गया।

सोनारी में 16 को निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी महिला मंच, जमशेदपुर शाखा द्वारा 16 मार्च को सोनारी राम मंदिर परिसर में निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप लगाया जाएगा। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक शिविर में नेत्र जांच, स्त्री रोग, दांतों की जांच सहित अन्य बीमारियों की जांच की जाएगी। मंच की अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने बताया कि शिविर सभी के लिए खुला रहेगा।

राउरकेला से भटक कर बच्ची पहुंची चक्रधरपुर

CHAKRADHARPUR : राउरकेला शहर के गांधी रोड निवासी एक बच्ची भटकते हुए चक्रधरपुर पहुंच गई है। गुरुवार को एक रेलकर्मी उसे रेल पटरी पर चलते हुए पाया, जिसके बाद रेलकर्मी ने उसे चक्रधरपुर थाना को सौंप दिया है। बच्ची अपना नाम अंजली कुमारी बता रही है, लेकिन माता-पिता का नाम बता नहीं पा रही है। उसकी उम्र करीबन 10 साल होगी।

सारंडा जंगल में नक्सलियों ने कर दिया आईईडी विस्फोट, बाल-बाल बचे जवान

बरामद किए गए 15 व 3 किलो के खतरनाक बम, भारी मात्रा में मिले विस्फोटक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के खिलाफ सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया है। एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि इस अभियान में उन्हें दो बड़ी कामयाबी मिली है, वहीं नक्सली विस्फोट में उनके जवान बाल-बाल बचे भी हैं।

छोटानागरा में आईईडी विस्फोट, सुरक्षा बल सुरक्षित, नया तरीके से पाइप में छिपा कर लगाया गया 15 किलो का आईईडी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 मार्च से कोल्हान प्रमंडल के छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगलों में विशेष अभियान शुरू किया गया था। इसी क्रम में 13 मार्च को सुबह करीब 8 बजे छोटानागरा थाना क्षेत्र में डिकूपोंगा के जंगलों में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट किया। गनीमत रही कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। नक्सलियों ने नए तरीके से पुलिस को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए पाइप में छिपा कर 15 किलो का आईईडी रखा था। लेकिन सुरक्षा बल के जांबाजों ने नक्सलियों के इरादों पर पानी फेर दिया। इसके बाद तलाशी अभियान में 15 किलोग्राम और 3 किलोग्राम के दो आईईडी बरामद किए गए।

नक्सलियों के डंप से मिले विस्फोटक व घरेलू उपयोग के सामान, डंप की निगरानी करता पुलिस जवान व थाने में प्रदर्शित की गई बरामद सामग्री ● फोटोन न्यूज

एक दर्जन कार रिमोट देख चौंकी पुलिस

इसी अभियान के तहत 12 मार्च को टोन्टो थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों ने एक नक्सली डंप का भंडाफोड़ किया। इसमें भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए, जिसे सुरक्षा कारणों से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। बरामद सामग्री में पिस्तौल के साथ मैगजीन-1,पैक्ड विस्फोटक-7 बॉक्स,डेटोनेटर इलेक्ट्रिक-5,डेटोनेटर नॉन इलेक्ट्रिक-250,कार रिमोट-10, रिमोट बैटरी ड्राई 20, प्लास्टिक कंटेनर विस्फोटक के साथ 7, कटर मशीन-1, इलेक्ट्रिक वायर-1 बंडल, स्टील टिफिन-35, कॉर्डेक्स-1 बंडल, स्विच मैकेनिज्म-30, नक्सली दस्तावेज और कागजात के साथ अन्य दैनिक उपयोग के सामान शामिल हैं।

इन नक्सलियों के खिलाफ चल रही छापेमारी

नक्सली संगठनों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित डांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा और उनके दस्ता सदस्य इस क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों की साजिश रच रहे हैं। पुलिस व सुरक्षा बलों के जवान इनके खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चला रहे हैं।

मालगाड़ी की चपेट में आकर रेल कर्मी की गई जान

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में दाहीगोड़ा सर्कस मैदान के समीप मालगाड़ी की चपेट में आकर रेल कर्मी की जान चली गई। बताया जाता है कि रेल कर्मी गुरुवार की सुबह रेलवे ट्रैक ठीक कर रहा था। इसी बीच घाटशिला से गालूडीह की ओर जा रही मालगाड़ी आ गई। रेल कर्मी की पहचान मुसाबनी थाना क्षेत्र के बेनासोल निवासी बुधराय बेसरा के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी मिलने पर समाजसेवी कालीराम शर्मा व रेल पुलिस घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने वहां शव का पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह 5.30 से 9.30 बजे तक बुधराय को रेलवे ट्रैक ठीक करना था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। बताया जाता है कि दोनों ट्रैक पर एक साथ ट्रेन आ जाने से वह इस बात का अंदाजा नहीं लगा सका कि किस ट्रैक पर गाड़ी आ रही है। इसी उधेड़बुन में वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। वह अपने पीछे पत्नी बासो बेसरा समेत एक पुत्र एवं एक पुत्री छोड़ गया है।

बुधराय बेसरा की फाइल फोटो

बाइक की चपेट में आकर युवक की मौत

PHOTON NEWS GHATSILA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना अंतर्गत एनएच-320 पर तेज रफ्तार बाइक के धक्के से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गोइलकेरा थाना अंतर्गत कायदा गांव निवासी जयपाल चेरुवा चक्रधरपुर के जेनाबेडा गांव में मामा के घर पर रहकर पढ़ता था। गत रात्रि एक दोस्त के घर जा रहा था। इसी दौरान चक्रधरपुर-गोइलकेरा मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक ने उसे धक्का मार दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और मामले की जांच-पड़ताल की, तो वहां बाइक के कुछ टूटे हुए पार्ट्स मिले। इससे अनुमान लगा जा रहा है कि बाइक सवार युवक भी घायल हुआ है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक बाइक सवार का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। इधर, मृतक के मामा के बयान पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

कार की चपेट में आकर बाइक सवार दंपती घायल

GALUDIH : गालूडीह थाना क्षेत्र की खड़िया कॉलोनी गांव के समीप गुरुवार को कार की चपेट में आने से बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस से घाटशिला अनुमंडल अस्पताल लाया गया। घायल जलेश्वर सिंह ने बताया कि कान तथा सिर के पीछे गंभीर चोट लगी है, जबकि पत्नी खुशबू सिंह को कमर व पैर में गंभीर चोट है। बेटी बाल-बाल बच गई। उन्होंने बताया कि पत्नी और बेटी को अपने मामा घर सिमुलडांगा से बाइक पर लेकर अपने घर सिंदरीआम गांव जा रहे थे। इसी दौरान खड़िया कॉलोनी के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने बाइक को ठोकर मार दिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल कार को पकड़ लिया। घटना की जानकारी गालूडीह थाना को दी गई है।

35 गांवों के 200 लोगों ने की धर्म वापसी

धर्म वापसी कराते शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ● फोटोन न्यूज

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले में होली से पहले 35 गांवों के 200 लोगों ने अपने मूल धर्म में वापसी की है। पारलीपोस स्थित विश्व कल्याण आश्रम में गुरुवार को शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के सानिध्य में स्वधर्म वापसी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान मनोहरपुर, आनंदपुर और गोईलकेरा प्रखंड के 35 गांवों से आए 200 से अधिक ग्रामीणों ने अपने मूल सनातन धर्म में वापसी की। शंकराचार्य ने मंत्रोच्चार के साथ गंगाजल छिड़ककर और पवित्र जल पिलाकर सभी ग्रामीणों को शुद्ध किया और विधिवत रूप से स्वधर्म में वापसी कराई। इस अवसर पर उन्होंने सभी को अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति अटूट श्रद्धा बनाए रखने का संदेश दिया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

SONUA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के सोनुवा थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, सोनुवा थाना अंतर्गत छनकट्टा गांव के निवासी 36 वर्षीय पातर कुदादा ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया था। बाद में उसे इस बात की जानकारी किसी को न देने के लिए जान मारने की धमकी दी थी। घटना के बाद पीड़िता ने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों ने सोनुवा थाना में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। दर्ज मामले में बताया कि छनकट्टा गांव में मागे पर्व का त्योहार मनाया जा रहा था, जहां नाबालिग अपनी सहेली के यहां आयी थी। पर्व देखकर वह अकेले ही अपने गांव लौट रही थी कि इसी बीच आरोपी ने अकेला देखकर उसे जबरदस्ती पकड़ कर सुनसान जगह पर ले गया।

6 लाख गबन के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते आईपीएस ऋषभ त्रिवेदी

GHATSILA : 6 लाख रुपये गबन के मामले में आरोपी राकेश कुमार सिंह को घाटशिला पुलिस ने बिरसानगर थाना क्षेत्र के जोन नंबर-8 से गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में आईपीएस सह प्रशिक्षु थाना प्रभारी ऋषभ त्रिवेदी ने बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम के घाटशिला शाखा के पूर्व शाखा प्रबंधक मणि शंकर प्रसाद ने 18 अक्टूबर 2023 को घाटशिला थाने में मामला दर्ज कराया था। आरोपी ने एक एलआईसी पॉलिसी धारक की अनुमति के बिना जालसाजी करके एलआईसी पॉलिसी को जुगसलाई ऑफिस से घाटशिला ऑफिस में स्थानांतरित करा लिया। इसके बाद पॉलिसी धारक का फर्जी हस्ताक्षर करके 6 लाख रुपये लोन ले लिया और इस राशि का गबन कर लिया।

एचसीएल ने दी दोना, पत्तल व मुढ़ी बनाने की मशीन

GHATSILA : एचसीएल-ईसीसी कंपनी ने सीएसआर निधि से वित्तीय वर्ष 2024-2025 के तहत स्थानीय संस्था विद्यानिकेतन के सहयोग से कॉपर क्लब मऊभंडर में महिला सशक्तीकरण को लेकर गुरुवार को परिसंपत्ति का वितरण किया। कंपनी के ईडी एसएम शेट्टी व ओमप्रकाश सिंह ने मुसाबनी प्रखंड की 6 महिला समूह के बीच दोना, पत्ता-पत्तल व मुढ़ी बनाने की मशीन दी। इस मौके पर डीजीएम डॉ. एसडी बर्मन, डीजीएम दीपक श्रीवास्तव, बबलू माझी, सीनियर मैनेजर एचआर अर्जुन लोहरा, डीएम सीएसआर प्रशांत कुमार, डीएम टाउन एडमिनिस्ट्रेशन साकेत सिन्हा, आईसीसी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष वीएन सिंहदेव, एनके रॉय, ग्राम प्रधान-बेनाशोल परेश मुर्मू, ग्राम प्रधान-लावकेसरा मातु मार्डी भी उपस्थित थे।

पुलिस ने गांवों में ध्वस्त की पांच शराब भट्ठियां

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के दामपाडा स्थित विभिन्न गांवों में गुरुवार को पुलिस ने अभियान चलाया, जिसमें पांच अवैध शराब भट्ठी ध्वस्त की गई। छापेमारी गांव मकड़ा, युक्तिडीह, हुलूंग, सोबानडीह, बांसकटिया जंगल आदि क्षेत्र में चला। इस दौरान लगभग 1500 किलो जावा महुआ भी नष्ट किया गया। पुलिस निरीक्षक मधुसूदन दे ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में अवैध महुआ शराब की भट्ठी चल रही है। पिछले दो दिन से अभियान चलाकर अवैध शराब भट्ठी को नष्ट किया जा रहा है। अभियान में पुलिस निरीक्षक मधुसूदन दे के नेतृत्व में एसआई उमेश कुमार, एएसआई असगर अली, एएसआई मोहन उरांव व एएसआई संजय मरांडी के साथ सैप के सशस्त्र जवान भी शामिल थे।

भट्ठी ध्वस्त करते पुलिस के जवान

मारवाड़ी सम्मेलन चाईबासा शाखा ने एसआर रुंगटा ग्रुप के सौजन्य से कराया हास्य कवि सम्मेलन, डीआईजी व डीसी ने किया उद्घाटन

पड़ोसी के घर तोड़ के हम दीवार गए...पुलवामा का बदला लेने बेटे सीमा पार गए...

PHOTON NEWS CHAIBASA : मारवाड़ी सम्मेलन, चाईबासा शाखा ने एसआर रुंगटा ग्रुप के सौजन्य से बुधवार शाम को अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें बुद्धि प्रकाश दाधीच, प्रकाश पपलू, संदीप शर्मा, सुनील व्यास, अभय निर्भीक, वंदना शुक्ला व श्रध्दा शौर्य ने अपनी रचनाओं से दर्शकों-श्रोताओं को खूब हंसाया। होली अवसर पर पिल्लई हॉल में आयोजित कवि सम्मेलन में हास्य, वीर व श्रृंगार रस की फलझड़ियां भी खूब बरसीं। मंच संचालन बुद्धि प्रकाश दाधीच ने किया, जबकि इसकी औपचारिक शुरूआत डॉ. वंदना शुक्ला ने मां सरस्वती की आराधना से की। इस दौरान अभय निर्भीक की इन पंक्तियों में हॉल तालियों से गूंज उठा, जब उन्होंने सुनाया- इस नापाक पड़ोसी के घर तोड़ के हम दीवार गए, पुलवामा का बदला लेने बेटे सीमा पार गए, भारत भूमि का नक्शा पूरा करने की तैयारी है, तीन सौ सत्तर हटा दिया, अब पीओके की बारी है... ।

इससे पहले वंदना शुक्ला ने होली में होती है रंगों की बौछार रसिया, मिल खेलो रंग रंगों का त्योहार रसिया ...। श्रध्दा शौर्य... ने सूर्य वीरता को वरती इस भारत की भव्यता को करुणा की कलमें सिखा गईं हैं चूड़ियां... पौरुष की परिपाटी तलवारें पढ़ा गईं तो गरिमा की गोष्ठियां लिखा गईं हैं चूड़ियां... दृढ़ता का वरदान वीरों ने टिकाया तो धीरता को धैर्य से टिका गईं हैं चूड़िया... जलकर जब जौहर की ज्वाला अपनाई तो खिल्जियों को औकात दिखा गईं हैं चूड़ियां..।

बुद्धिप्रकाश दाधीच ने सुनाया- गुलो-गुलशन से महकते जहान देखे हैं, हमने मुश्किल में सिकन्दर महान देखें हैं। भूलकर नाज न करना उधारी किस्मत पे, हमने बारिश में भी जलते मकान देखें हैं। सुनील व्यास ने कहा कि चैंपियन संस्कार मगर क्यूं खो जाते हैं सच में यार याद बहुत आते हैं, अब सूनी-सूनी है छत, सूना है पास वाला मैदान, कोई मोबाइल मेरे बच्चों की नींद और गेंद चुराकर ले गया। अभय सिंह निर्भीक ने कहा कि भारत माता का हरगिज सम्मान नहीं खोने देंगे। अपने पूज्य तिरंगे का अपमान नहीं होने देंगे। भारत श्वेत कपोतों से ही कश्ती खेता आया है, बारम्बार पड़ोसी हमको धोखे देता आया है, शांति-शांति के चक्कर में हम बहुत दिनों तक छले गए, कोट के ऊपर लाल गुलाबों वाले दिन अब चले गए, अंदर जितनी चीख दबी थी हमने उतना चीख लिया, दुश्मन को उसकी भाषा में उत्तर देना सीख लिया, इस नापाक पड़ोसी के घर तोड़ के हम दीवार गए, पुलवामा का बदला लेने बेटे सीमा पार गए, भारत भूमि का नक्शा पूरा करने की तैयारी है, तीन सौ सत्तर हटा दिया अब पीओके की बारी है।

संदीप शर्मा (धार, मध्य प्रदेश) ने कहा कि राम दो अक्षर हैं, जिससे सारी सृष्टि है, दो अक्षर हैं जिससे सुख की वृष्टि है, दो अक्षर हैं जिससे खुशबू फूलों में, दो अक्षर हैं जिससे रंग वसूलों में, दो अक्षर है सूर्य सुबह निकलता है, दो अक्षर है चंदा रूप बदलता है, दो अक्षर ही दशरथ के मन प्राण बसे, दो अक्षर में सारा हिंदुस्तान बसे।

इनकी उपस्थिति रही उल्लेखनीय : कार्यक्रम का उद्घाटन कोल्हान के डीआईजी मनोज रतन चौथे व पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने किया, जबकि इस अवसर पर उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, असिस्टेंट कलेक्टर अर्नब मिश्रा व अनुमंडल पदाधिकारी-सदर संदीप अनुराग टोपनो भी उपस्थित थे।

ये रहे सक्रिय : कार्यक्रम को सफल बनाने में सम्मेलन के सलाहकार सदस्य मुकुंद रुंगटा के मार्गदर्शन में अध्यक्ष रमेश खिरवाल (लड्डू), निवर्तमान अध्यक्ष अनिल मुरारका, सचिव रुपेश अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक पवन चाण्डक सहित अशोक विजयवर्गीय, अजय बजाज, मनोज शर्मा, संजय गर्ग, शिव बजाज, गिरधारीलाल पारीक, यशवंत सिंघल, अशोक नेवटिया, पवन गर्ग, राकेश बुधिया, आशीष चौधरी, इंद्रजीत सिंह रंधावा आदि सक्रिय रहे।

कवि सम्मेलन का उद्घाटन करते डीसी कुलदीप चौधरी व सभागार में उपस्थित श्रोता ● फोटोन न्यूज

फंदे पर लटका मिला युवती का शव

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना अंतर्गत डांगुवापोसी निवासी नवमी बेहरा ने अपने घर में ही फंदे पर लटका मिला। जानकारी के अनुसार, विगत रात्रि नवमी बेहरा अपने घर में ही दुपट्टा बांधकर फांसी के फंदे से झूल गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल से शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार, घर में मामूली बातों को लेकर नवमी बेहरा का परिजनों के साथ विवाद हो गया था। उसी गुस्से में आकर उसने फांसी लगा ली। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

BRIEF NEWS

पटाखा दुकानों की हुई सघन जांच

PALAMU : जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में होली पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरूवार को जिले के मेदिनीनगर शहर, सदर, पांकी, पाटन, नावाजयपुर, पिपराटांड़ एवं हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस बल की ओर से फ्लैग मार्च किया गया। स्थानीय लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। शहर थाना से फ्लैग मार्च की शुरूआत हुई। इसके बाद अस्पताल चौक, कनीराम चौक, कसाई मोहल्ला, भट्टी मोहल्ला, नदी किनारे, गिरवर स्कूल, चित्रगुप्त मंदिर, नारायण हॉस्पिटल, कुंजड़ा पट्टी, बेलवाटिका चौक, स्टेशन रोड, चर्च रोड, कचहरी चौक, छहमुहान होते हुए पुनः शहर थाना पहुंचकर फ्लैग मार्च समाप्त हुआ। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने कहा कि फ्लैग मार्च में सदर अंचल अधिकारी अमरदीप सिंह बल्होत्रा, शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार और क्यूआरटी के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया।

राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव 16 को

JAMSHEDPUR : झारखंड में बांग्ला भाषा-संस्कृति को संजोए रखने के उद्देश्य से 16 मार्च को बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष अमित कुमार पात्रो ने गुरुवार को बिष्टुपुर में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि इस भव्य उत्सव में झारखंड के कोने-कोने से कलाकार, साहित्यकार और दर्शक जुटेंगे। उत्सव की शुरूआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा के स्पीकर रवींद्रनाथ महतो करेंगे। आयोजन समिति में चेयरमैन पार्थसारथी चटर्जी, अध्यक्ष अमित कुमार पात्रो, कार्यकारी अध्यक्ष अपर्णा गुहा, पूरबी घोष, अंशु सरकार, मिथिलेश घोष, शुभंकर चटर्जी, अशोक दत्ता, प्रकाश मुखर्जी, बिनोद दे, महासचिव उत्तम गुहा और कोषाध्यक्ष अमित माइति सहित कई गणमान्य शामिल हैं। बिष्टुपुर का गोपाल मैदान इस विशेष दिन पर रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर होगा। पारंपरिक संगीत, नृत्य और योग से भरपूर यह उत्सव संस्कृति प्रेमियों के लिए एक सुनहरा अवसर होगा। समिति ने आम जनता से इस महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है।

चाईबासा में हुई दंगारोधी मॉकड्रिल

CHAIBASA : पुलिस लाइन में गुरुवार को दंगारोधी मॉकड्रिल किया गया, जिसका उद्देश्य होली के दौरान उपद्रवियों से निबटने व भीड़ नियंत्रण करना था। चाईबासा की जिला पुलिस द्वारा दंगारोधी सुरक्षा उपकरणों के साथ सघन अभ्यास किया गया।

जीटी हॉस्टल में लगा मॉड्यूलर बायोगैस प्लांट्स

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल ने कदमा स्थित जीटी हॉस्टल और बिष्टुपुर स्थित यूनाइटेड क्लब में अत्याधुनिक मॉड्यूलर बायोगैस प्लांट्स लगाया है। इसका उद्घाटन गुरुवार को टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज) चाणक्य चौधरी और टाटा स्टील यूआईएसएल के मैनेजिंग डायरेक्टर रितुराज सिन्हा ने किया। इन बायोगैस प्लांट्स की फीडिंग क्षमता 200 किलोग्राम प्रतिदिन है, जिसमें प्रत्येक प्लांट से 8 किलोग्राम गैस का उत्पादन किया जा सकता है। उद्घाटन समारोह में वरुण बजाज (चीफ टाउन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक्स), रवींद्र कुमार सिंह (जनरल मैनेजर, टाउन ओएंडएम), ज्योति प्रकाश (सीएफओ, टाटा स्टील यूआईएसएल) और रविश कुमार (प्रेसिडेंट, जेएचआरए) शामिल थे।

पति ने पैसे के विवाद को लेकर पत्नी की कुदाल से कर दी हत्या

शराब पीने से पति को मना किया तो गुस्से में आकर उठा लिया खौफनाक कदम

AGENCY PALAMU : पलामू की बेटी की गढ़वा जिले में हत्या कर दी गई। हत्या उसके पति ने कुदाल से वार करके की। घटना के बाद से आरोपित फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। घटना मामूली विवाद के कारण हुई। दरअसल मृतका का पति मजदूरी से जुटाए गए रुपए निकाल कर शराब पी रहा था। पत्नी ने जब खर्च कम करने की सलाह दी तो युवक भड़क गया और गुरुवार की तड़के सोए अवस्था में घटना को अंजाम दे डाला। महिला की पहचान 27 वर्षीय बेबी देवी, पति रामजन्म सिंह के रूप में हुई है। महिला का मायका पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो गांव में है। घटना गढ़वा के रंका थाना क्षेत्र

बेबी देवी की फाइल फोटो

के भलुवानी के गोता टोला में हुई। सूचना मिलने पर रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, पुलिस सब इंस्पेक्टर सुहागिन सोरेन दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भेज दिया है। कुदाल सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पति पत्नी के बीच मामूली विवाद के बाद घटना हुई है। मृतका के मायके और ससुराल पक्ष के लोगों ने बताया कि पति के द्वारा मजदूरी करके कमाए गए पैसे में से 1000 रुपए शराब पीने में रामजन्म ने खर्च कर दिए थे। इसे लेकर पति-पत्नी में बुधवार रात तू तू मैं में हुई। घटना गुरुवार सुबह 4 बजे हुई। महिला के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। बताते चलें कि पिछले मंगलवार को इसी प्रखंड क्षेत्र के मानपुर पंचायत के मोमिनपुर टोला में एक पति ने अपनी पत्नी को मात्र 7500 के लिए गला दबाकर हत्या कर दी थी। महिला को यह रुपए मंईयां सम्मान योजना के तहत मिले थे।

होली पर घर लौट रहे दो भाई हादसे के शिकार, एक की मौत, दूसरा गंभीर

PALAMU : पलामू जिले के पडवा थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बाइक पीछे से ट्रक में टकरा गयी। इस हादसे में बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। दोनों मौसेरे भाई बताए गए हैं। जख्मी युवक को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती किया गया है। मृत युवक की पहचान गढ़वा जिले के मेराल थाना क्षेत्र के अधवरी के अनूप शर्मा (22) पिता सुनील शर्मा के रूप में हुई है। जख्मी युवक गढ़वा के कांडी सरकोनी के प्रेम उर्फ प्रिंस शर्मा (18वर्ष) पिता दिग्विजय शर्मा है। जानकारी के अनुसार अनूप और प्रेम एक बाइक से पड़वा मोड़ से होते हुए बीमोड़ के रास्ते गढ़वा जा रहे थे। पड़वा मोड़ से आगे जाकर बीमोड़ जाने के लिए जैसे ही दोनों मुड़े, सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को स्टार्ट कर चालक सड़क पर लेकर आ गया। ट्रक को अचानक आगे देखकर बाइक सवार ने अपना नियंत्रण खो दिया और पीछे से टकरा गया। दोनों बाइक सवार को जख्मी अवस्था में इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भेजा गया। लाने के क्रम में रास्ते में अनूप की मौत हो गयी। परिजनों ने बताया कि अनूप एवं प्रेम बिहार के नबीनगर स्थित एनटीपीसी में मुंशी का काम करते थे। होली की छुट्टी में अपने घर जा रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर प्रभावित परिवार में चीख पुकार मच गयी है। होली की खुशियां मातम में बदल गयी है।

बिलखते परिजन

ब्यूटी पार्लर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट आधा दर्जन पकड़ाए

ADITYAPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। गुप्त सूचना पर गुरुवार को आदित्यपुर थाना की पुलिस ने वहां छापा मारा, तो ब्यूटी पार्लर से आधा दर्जन युवक-युवती पकड़ाए। यह पार्लर आदित्यपुर स्थित आईसीआईसीआई बैंक वाली बिल्डिंग में चल रहा था। बताया जाता है कि खूबसूरत यूनिसेक्स सलून एंड स्पा के नाम से चल रहे इस ब्यूटी पार्लर व स्पा सेंटर से पुलिस ने कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ब्यूटी पार्लर में काऊी दिनों से सेक्स रैकेट चल रहा था। यहां तक कि दूसरे शहरों से लड़कियों-युवतियों व उम्रदराज महिलाओं को भी यहां लाकर अवैध धंधा चलाया जा रहा था। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सेक्स रैकेट पकड़ाने की बात सुनकर काफी लोग वहां जमा हो गए। पुलिस पकड़े गए सभी युवक-युवतियों को थाना लेकर आ गई है। अब देखने वाली बात होगी कि इन्हें थाना से ही छोड़ा जाएगा या जेल भेजा जाएगा।

होली व जुमे की नमाज में अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं : एसपी

रामगढ़ जिला पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले में होली का त्योहार 14 और 15 मार्च को मनाया जाने वाला है। शुक्रवार को होली बड़े पैमाने पर मनाई जाएगी। साथ ही रमजान के पाक महीने का जुम्मा भी इसी दिन पड़ रहा है। इसलिए जुम्मे का नमाज भी मस्जिदों में अदा होगी। जिले में सौहार्दपूर्ण तरीके से होली और जुम्मे की नमाज संपन्न हो इसके लिए पुलिस ने पहले से ही सतर्कता बरत रखी है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने कहा कि इस मौके पर भ्रामक सूचना फैलाने वालों की खैर नहीं है। उनके ऊपर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम

फ्लैग मार्च करते पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

और अन्य ऐप पर पुलिस की पैनी निगाह है। कुछ लोग सोशल मीडिया पर अनर्गल बयान बाजी करते नजर आ रहे हैं। पुलिस उन सभी व्यक्तियों की पहचान करेगी। साथ ही तत्काल कार्रवाई होगी। एसपी ने यह भी अपील जारी की है कि सभी थाना प्रभारी होली के मौके पर अलर्ट रहें। आम नागरिक भी तत्काल पुलिस और जिला प्रशासन को सूचना दें। साथ ही संवेदनशील इलाकों में लगातार गस्ती लगाई जाएगी। अगर कोई सूचना मिलती है तो उसपर तत्काल कार्रवाई होगी। चितरपुर प्रखंड में कुछ दिनों पहले दो समुदायों के लड़का और लड़की के द्वारा शादी किए जाने की घटना को लेकर तनाव की स्थिति बनी थी। होली के मौके पर कुछ लोगों के द्वारा अप्रिय घटना करने की सूचना पुलिस के पास थी। गुरुवार को एसपी अजय कुमार खुद चितरपुर प्रखंड के सड़कों पर उतरे और फ्लैग मार्च किया। उन्होंने साफ संकेत दिया कि अगर कोई व्यक्ति कानून को हाथ मे लेगा और गलत तरीके से मजमा लगाकर सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने का प्रयास करेगा, तो उसे बक्शा नहीं जाएगा।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी शंभू सिंह व अन्य ● फोटोन न्यूज

पीएलएफआई कमांडर दुर्गा सिंह समेत 3 उग्रवादी धराए

GUMLA : गुमला जिले के कामडारा पुलिस ने गुरुवार को कारोबारियों से लेवी मांगने और जान मारने की धमकी देने वाला पीएलएफआई कमांडर दुर्गा सिंह उर्फ प्रभाकर सिंह समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में दुर्गा सिंह, कलेश्वर हजाम और रामकुमार सिंह शामिल है। इनके पास से एक डबल बैरल रायफल, एक देशी कट्टा, आठ गोली, तीन पीएलएफआई का पर्चा, एक मोबाइल और एक बाइक बरामद किया गया है। एसपी शंभू सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि पीएलएफआई के दिनेश गोप के गिरफ्तार होने के बाद दुर्गा सिंह संगठन का कमान संभाल रहा था। दुर्गा सिंह के खिलाफ गुमला जिला सहित अन्य जिलों में 18 मामले दर्ज है, वह पीएलएफआई का संस्थापक सदस्य है।

होली को लेकर अस्पताल में अलर्ट शुरू, बनाए गए रोस्टर

DHANBAD : होली को लेकर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक कंट्रोल रूम स्थापित किए जा रहे हैं। आकस्मिक चिकित्सकीय सेवा के लिए सभी सरकारी अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टरों के अलग रोस्टर तैयार किए गए हैं। इमरजेंसी में अलग से दवा और जरूरी के सामान उपलब्ध कराए गए हैं, यहां आने वाले मरीजों को तत्काल चिकित्सकीय सेवा मिल पाए। तीन पाली में अलग-अलग रोस्टर बनाए गए हैं। वहीं, कोर्ट मोड़ स्थित सदर अस्पताल में भी तीन पाली के लिए अलग-अलग नया रोस्टर चार्ट तैयार किया गया है।

36 से ज्यादा एंबुलेंस सेवा में तैयार

होली को लेकर 36 से ज्यादा अलग-अलग एंबुलेंस नागरिकों की सेवा में तैयार रहेगा। इसमें 108 एंबुलेंस, रेडक्रॉस का एंबुलेंस और मेडिकल कॉलेज का एंबुलेंस शामिल है। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में 108 नंबर पर चिकित्सकीय सेवा के लिए डायल करना होगा। 108 एंबुलेंस के मैनेजर संजय कुमार ने बताया कि फोन मिलते ही एंबुलेंस तुरंत सेवा में हाजिर होगा।

कंट्रोल रूम रहेगा सक्रिय : किसी भी प्रकार की आपस स्थिति के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम का नंबर जारी किया है। यहां से विभिन्न प्रकार की पुलिस सेवा चिकित्सकीय सेवा समिति अन्य सूचनाओं ली जा सकती है। जरूरी सूचनाएं दी जा सकती है।

जिला नियंत्रण कक्ष को फोन नंबर 0326 - 2311217, 0326 - 2311807 या 112 पर सूचना दी जा सकती है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप, मामला दर्ज

KODERMA : कोडरमा थाना अंतर्गत जलवाबाद की युवती ने गुरुवार को थाना में आवेदन देकर अरविन्द कुमार (26)पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। आवेदन में युवती ने कहा गया है कि हमदोनों कोडरमा जिला अन्तर्गत झुमरी तिलैया सामन्तों पेट्रोल पम्प के निकट संचालित मॉल वन इंडिया मार्ट में वर्ष 2021 से काम करते थे। इसी क्रम में अरविन्द कुमार राय ने मुझसे शादी करने का प्रलोभन देकर मेरे साथ दुधीमाटी स्थित किराये के मकान में अनेको बार शारीरिक संबंध बनाया।

जुलाई 2024 में जब उससे शादी करने को कही तो वो मेरे साथ छल किया और मुझे चाराडीह के राधाकृष्ण मंदिर में ले जाकर मेरी मांग में सिन्दूर भर दिया।

होली व रमजान के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने को डीसी ने दिए निर्देश

PHOTON NEWS HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय व पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने होली व रमजान के मद्देनजर जिला में सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने को लेकर कई दिशा-निर्देश दिए हैं। गुरुवार को उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी थाना प्रभारी, सीओ, बीडीओ के साथ जुड़कर इस बाबत आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने कहा कि होलिका दहन के दौरान उन स्थानों पर जहां पूर्व में विवाद हो चुका है, उन स्थानों पर अधिकारी विशेष रूप से अलर्ट मोड में रहें। अग्निशमन वाहनों और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा।

होली और जुमा को देखते हुए विशेष सतर्कता : इस बार होली दो दिन मनाई जा रही है,होली शुक्रवार यानी जुमे के दिन होने के कारण उपायुक्त ने अतिरिक्त सुरक्षा बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने अराजक तत्वों को पहले से चिह्नित कर उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गत वर्षों में होली के दौरान हुए विवादों को ध्यान में रखते हुए हर प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए है। मिश्रित आबादी वाले इलाकों, जुलूस मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनाती के साथ फ्लैग मार्च करने के निर्देश दिए गए।

क्विक रिस्पांस टीमें रहेंगी तैनात

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारी,सीओ, बीडीओ और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अपने अपने प्रतिनियुक्ति स्थलों पर गंभीर होकर विवेकपूर्ण तरीके से किसी भी परिस्थिति को निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। किसी भी सूचना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं, इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष के साथ संपर्क में रहने को भी कहा।

अवैध शराब व आपातकाल से निपटने की तैयारी

त्योहार के दौरान शराब की दुकान बंद रखने का निर्देश दिए साथ ही शराब पीकर उपद्रव करने वालों पर सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। अस्पतालों को अलर्ट रहने और 108 एंबुलेंस सेवा हाई अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए।

टाटा स्टील मेरामंडली ने कर्मचारियों के लिए 20 इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च कीं

टाटा स्टील में कर्मचारियों के लिए पहली इलेक्ट्रिक बस सुविधा

- सस्टेनेबल और पर्यावरण अनुकूल परिवहन समाधान की दिशा में एक कदम

PHOTON NEWS JSR : ओडिशा में ढेंकानाल जिले के नरेंद्रपुर गांव स्थित टाटा स्टील मेरामंडली (टीएसएम) ने अपने कर्मचारियों के लिए सतत और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देते हुए इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े की शुरूआत की।

टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट चाणक्य चौधरी और टीएसएम के वाइस प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस उत्तम सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में चार्जिंग सुविधाओं से युक्त एक बस-बे का उद्घाटन किया और बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस हरित पहल के तहत, पहले चरण में 20

इलेक्ट्रिक बसों को रवाना करते टाटा स्टील के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

इलेक्ट्रिक बसें प्लांट परिसर के भीतर कर्मचारियों की दैनिक आवाजाही के लिए चलाई जाएंगी। इस परिवर्तन से हर साल 500 टन कार्बन डायक्साइड उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है, जो टाटा स्टील के 2045 तक नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य के अनुरूप है। इस अवसर पर चाणक्य चौधरी ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसें और बस-बे, टाटा स्टील की पूरी वैल्यू चेन में सस्टेनेबिलिटी की प्रतिबद्धता की दिशा में अगला कदम है। यह न केवल हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा, बल्कि कर्मचारियों की सुविधा और प्लांट के अंदर यातायात की दक्षता को भी बढ़ाएगा।

इस पहल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उत्तम सिंह ने कहा कि यह लॉन्च हमारी दैनिक संचालन प्रक्रियाओं में सस्टेनेबिलिटी को अपनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मेरामंडली प्लांट में पहले से ही कर्मचारियों की आवाजाही के लिए 15 ईवी कारें उपलब्ध हैं और अब ये इलेक्ट्रिक बसें हमारे कार्यबल और पर्यावरण दोनों के लिए फायदेमंद साबित होंगी।

ईवी बस-बे में दो चार्जिंग स्टेशन

नव स्थापित ईवी बस बे में दो चार्जिंग स्टेशन हैं, जिनमें प्रत्येक में 12 चार्जिंग यूनिट्स हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें चार मेंटेनेंस पिट, भंडारण कक्ष, और एक प्रशासनिक भवन शामिल है, जिसमें कई कार्यालय और शौचालय उपलब्ध हैं। इन इलेक्ट्रिक बसों में उन्नत बैटरी प्रणाली और विभिन्न इनोवेटिव सस्टेनेबिलिटी सुविधाएं हैं, जो कर्मचारियों के लिए पर्यावरण अनुकूल और आरामदायक परिवहन सुनिश्चित करेंगी।

मारवाड़ी समुदाय की महिलाओं ने होलिका को कच्चा धागा बांध की परिक्रमा

DUMKA : उपराधानी में होली की धूम मची है। शहर के विभिन्न चौक चौराहे पर होलिका दहन की व्यवस्था की गई है। विभिन्न मुहल्ले में होलिका दहन के लिए लोग सुखी लकड़ी आदि एकत्रित कर होली से पूर्व होलिका दहन में जुटे हैं। होलिका दहन खासतौर पर मारवाड़ी समुदाय के लोग अलग ही अंदाज में मनाते हैं। मारवाड़ी चौक पर होलिका दहन की तैयारी पूरी कर ली गई है। लोग अपने-अपने घरों से गोबर के उपले बना एक जगह इक्कठा करते हैं। इसके बाद पूरे नेम-निष्ठा से सज-धज कर महिलाएं परिक्रमा आदि कर कच्चा धागा से जमा होलिका का पूजा-अर्चना करते हैं। देर रात होलिका दहन कर बुराई पर अच्छाई का विजय का प्रतिक के रूप में आग जलाते हैं। गौरतलब हो कि पंचांग देख कर कार्य करने की परंपरा हिंदू धर्म में सनातन काल से चली आ रही है।

झारखंड विकलांग मंच ने जमकर खेली होली

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में होली मनाते दिव्यांग व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : होली के उल्लास और सौहार्द्र को बढ़ावा देते हुए, युवा संस्था जमशेदपुर के सौजन्य से झारखंड विकलांग मंच द्वारा गुरुवार को भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। समारोह में दिव्यांगों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में रंग-गुलाल के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत-संगीत, और हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। इस अवसर पर झारखंड विकलांग मंच के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनकी भागीदारी को लेकर विचार साझा किए। साथ ही, दिव्यांगजन सशक्तीकरण और उनकी समावेशिता पर जोर देते हुए सरकार से और अधिक सुविधा प्रदान करने की अपील की गई।

बांग्लादेश को बर्बाद करते यूनुस जिहादियों का कर रहे समर्थन

बांग्लादेश में छात्रों ने अपनी राजनीतिक पार्टी बना ली है। भले ही ये छात्र अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से अलग राह पर चलते दिखते हों, लेकिन उनकी पीठ पर उनका ही हाथ है। इस पार्टी में उनके अपने लोग हैं। यूनुस चाहते हैं कि चुनाव में यही पार्टी जीते। यदि ऐसा होता है तो देश के अनुभवी राजनेता हाथ मलते रह जाएंगे और यूनुस प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से सत्ता में बने रहेंगे। क्या अब यूनुस को लेकर लोगों का भ्रम टूटेगा। यूनुस ने प्रमाणित कर दिया कि नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले लोग भी कितने अनुदार हो सकते हैं। वह नए सिरे से देश का संविधान बना रहे हैं। संविधान से पंथनिरपेक्षता शब्द हटाने का प्रस्ताव है। कट्टरवादी पार्टी जमाते इस्लामी के छात्र संगठन शिबिर के छात्रों ने उन्हें सत्ता में लाकर बिठाया। ये वे लोग थे, जो विगत जुलाई-अगस्त के छात्र आंदोलन में नेपथ्य में थे। शिक्षा परिसरों में लंबे समय से इन्होंने प्रगतिशीलों की हत्या की है। हसीना को सत्ता से हटाने के लिए छेड़े गए छात्रों के आंदोलन की मदद हिजबुत तहरीर नामक आतंकी संगठन ने की थी। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि यूनुस का संबंध किसी भी तरह जमाते इस्लामी से हो सकता है, क्योंकि वह मुक्तियुद्ध विरोधी है और 1971 में बांग्लादेश को मिली आजादी नहीं चाहता था। वह पाकिस्तानपरस्त और भारत विद्वेषी है। मेरे जैसे असंख्य लोगों ने यूनुस की छवि शांति चाहने वाले व्यक्ति की बना रखी थी। जिस व्यक्ति को शांति का नोबेल पुरस्कार मिल चुका हो, वह शांतिप्रिय नहीं होगा, तो भला कौन होगा, लेकिन सत्ता में आते ही उन्होंने भारत-विरोधी रुख अपनाना शुरू कर दिया। फिर वह बांग्लादेश के इतिहास को पूरी तरह खारिज करने के अभियान में लग गए। अगर यूनुस भले आदमी होते, तो सत्ता में आते ही सबसे पहले चुनाव आयोजित कराने के बारे में सोचते और नेताओं को जिम्मेदारी सौंपकर अपना पद छोड़ देते, क्योंकि उनका क्षेत्र राजनीति नहीं है, लेकिन 84 साल की उम्र में भी वह बांग्लादेश को नष्ट करने के अपने अभियान में लगे हैं। अवामी लीग के नेताओं-कार्यकताओं को खत्म करने की मंशा से उन्होंने आपरेशन डेविल हंट नाम से एक अभियान शुरू किया। अवामी लीग के छात्र संगठन पर उन्होंने पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है। अब अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि उसे पूरी तरह मिटा देने का उनका इरादा है। अवामी लीग के सभी नेताओं-कार्यकताओं को या तो यूनुस के सामने आत्मसमर्पण करना होगा या फिर उन्हें मिटा दिया जाएगा। जिहादी तत्वों को उन्होंने इस मुहिम में लगा दिया है। यूनुस का मानना है कि नए बांग्लादेश का निर्माण अवामी लीग को खत्म किए बिना संभव नहीं। यूनुस जो कुछ करना चाहते हैं, जिहादी तत्व उन्हें वह सब मुहैया करा रहे हैं। दूसरी तरफ, जिहादियों को जो कुछ चाहिए, यूनुस उन्हें वह सब मुहैया करा रहे हैं। हालांकि बीच-बीच में वह कुछ ऐसे बयान भी दे रहे हैं, जिनसे जनता उन्हें भलामानुष समझे। जिहादियों को किसी बात की चिंता नहीं है। वे सिर्फ तोड़ना और नष्ट करना जानते हैं। उनकी मंशा प्रकाशकों पर हमला करने की थी, तो उन्हें वह मौका उपलब्ध कराया गया। वे पुस्तक मेले में स्टाल बंद करना चाहते थे तो उन्हें हरी झंडी दी गई। महिलाएं सैनिटरी नैपकिन की दुकान चला रही थीं। जिहादी उसे बंद कराना चाहते थे तो वह बंद करा दी गईं। जिहादी वैलेंटाइन डे पर फूलों की दुकान पर हमला करना चाहते थे। वे इसमें सफल रहे। मकर संक्रांति पर आयोजित पतंग उत्सव बंद करने के लिए उन्होंने सुनियोजित ढंग से पतंगों की दुकानों पर धावा बोला। जिहादी देश भर में आयोजित होने वाला वसंत उत्सव खत्म करना चाहते थे, सरकार ने उनकी मदद की। लालन फकीर की स्मृति में आयोजित होने वाले उत्सव को भी उन्होंने बंद करा दिया। नाट्य उत्सव पर भी उनका हमला सफल रहा। इसके पहले जिहादियों ने 1971 के मुक्तियुद्ध से जुड़े तमाम स्मारकों और संग्रहालयों पर हथौड़ा चलाने की इजाजत मांगी तो वह भी उन्हें मिल गई। बांग्लादेश में जारी ध्वंस पर विराम के लिए लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की पक्षधर शक्तियों को परस्पर सहानुभूतिशील होना पड़ेगा। यह याद रखना होगा कि अशुभ शक्तियों को परास्त करने और बांग्लादेश को उसके शिकंजे से मुक्त करने के लिए अपने तुच्छ हितों को भूलकर मुक्तियुद्ध के पक्ष में लड़ने वाली तमाम शुभ शक्तियों को एकजुट होना पड़ेगा। बांग्लादेश में बड़ा राजनीतिक बदलाव हो गया, लेकिन उसका सुफल नहीं मिला। असल में हसीना और यूनुस में चौंकाने वाली समानताएं हैं। हसीना सत्ता नहीं छोड़ना चाहती थीं। यूनुस भी गद्दी नहीं छोड़ना चाहते। हसीना बदला लेने से कभी नहीं चूकतीं थीं। यूनुस का भी यही स्वभाव है। हसीना जब सत्ता में थीं, तब तमाम गलतियों का ठीकरा विपक्षी दल बीएनपी पर फोड़ती थीं। ठीक इसी तरह बांग्लादेश में आज जो कुछ भी गलत हो रहा है, यूनुस उस सबके लिए शेख हसीना और अवामी लीग को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। शेख हसीना इस्लामी कट्टरवादियों का तुष्टीकरण करती थीं। यूनुस भी उनके साथ खड़े हैं। हसीना के समय प्रेस की स्वतंत्रता नहीं थी, लेकिन मीडिया उनके स्तुतिगान में लगा रहता था। यही यूनुस चाहते हैं। हसीना भी मुझे बांग्लादेश नहीं आने देना चाहती थीं। यूनुस भी यही चाहते हैं। बांग्लादेश में तमाम कारखाने बंद हो गए हैं। नतीजतन अनेक स्त्री-पुरुष बेकार घूम रहे हैं।

बदलते जमाने की रंग बदलती होली

ANALYSIS

✍ प्रियंका सौरभ

आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाजें समय के साथ दबती जा रही हैं। फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग खुशी से एक दूसरे पर रंग डालते और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस खुशी थी। होली की तैयारियां वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थीं और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नजर आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और खत्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे।

होली ऐसा त्योहार है, जिसे हर पृष्ठभूमि के लोग मनाते हैं। लोग दुश्मनी भुलाकर एक दूसरे के गले मिलते हैं। फिर भी एकता और प्यार का यह त्योहार बदल रहा है। फाल्गुन की खुशियां अब दूर की यादों की तरह लगती हैं। होली के रंग कुछ सालों में फीके पड़ गए हैं। बड़े-बुजुर्ग इस बात पर अफसोस जताते हैं कि अब हंसी-मजाक, उत्साह और वह जीवंत भावना नहीं रही, जो कभी इस उत्सव की पहचान हुआ करती थी। रंगों की बौछारें और होली की जीवंतता ने उत्सव के बाद जैसी शांति ले ली है। आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाजें समय के साथ दबती जा रही हैं। फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग खुशी से एक दूसरे पर रंग डालते और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस खुशी थी। होली की तैयारियां वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थीं और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नजर आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और खत्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय मोबाइल पर समय बिताने में ज्यादा रुचि रखते हैं। पहले के समय में पड़ोसियों की बहू-बेटियों को परिवार की तरह माना जाता था। घर स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू से भर जाते थे और मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया जाता था। आज समारोह ज्यादातर अपने घर तक ही सीमित रह गए हैं और समुदायिक भावना कम होती जा रही है। फोन पर एक साधारण होली मुबारक ने पहले के दिल से जुड़े रिश्तों की जगह ले ली है, जिससे रिश्ते कम मधुर लगने लगे हैं। इस बदलाव के कारण परिवार अपनी बहू-बेटियों को दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने देने में हिचकिचाते हैं। पहले लड़कियां होली के दौरान खुशी और हंसी-मजाक करती हुई खुली हवा में घूमती थीं, लेकिन अब अगर कोई लड़की किसी रिश्तेदार के घर ज्यादा देर तक रुकती है, तो उसके परिवार में चिंता पैदा हो जाती है। होली का त्योहार खुशियों का मौसम हुआ करता था, जिसकी शुरूआत होली के पौधे लगाने से होती थी। छोटी-छोटी लड़कियां गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, खूबसूरत मालाएँबनाती थीं, जिन पर आभूषण, नारियल, पायल और बिछिया होती थीं। दुख की बात है कि ये परंपराएं अब खत्म हो गई हैं। पहले घर पर ही टेसू और पलाश के फूलों को पीसकर रंग बनाया जाता था और महिलाएं होली के गीत गाती थीं। होली के दिन सभी लोग चंग के ताल पर नाचते हुए जश्न मनाते थे। वसंत पंचमी से ही फाग की धुनें गूंजने लगती थीं, लेकिन अब होली के गीत कुछ ही जगह सुनाई देते हैं। परंपरागत रूप से विभिन्न समुदायों के लोग ढोलक और चंग की थाप के साथ होली खेलने के लिए एकत्रित होते थे। अब वह जीवंतता कहां चली गई। आज होली महज एक परंपरा की तरह लगती है। हाल के वर्षों में सामाजिक गुस्सा और विभाजन इतना बढ़ गया है कि कई परिवार इस त्योहार के दिन घर के अंदर रहना पसंद करते हैं। वैसे तो लोग सालों से होली का त्योहार उत्साह के साथ मनाते आ रहे हैं, लेकिन इस त्योहार का असली उद्देश्य भाईचारा बढ़ाना और नकारात्मकता को दूर करना है, जो अब कहीं खो गया है। समाज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और सामाजिक असमानता प्रेम, भाईचारा और मानवता के मूल्यों को खत्म कर रही है। एक समय था, जब होली एक महत्वपूर्ण अवसर था, जब परिवार होलिका दहन देखने के लिए इकट्ठा होते थे और उसी दिन वे खुशी-खुशी एक-दूसरे पर रंग लगाते और अबीर फेंकते थे। समूह में लोग होली की खुशियां बांटने के लिए एक-दूसरे के घर जाते और फगुआ गाते थे। अब वास्तविकता यह है कि होली पर कुछ ही लोग घर से बाहर रहना पसंद करते हैं। हर महीने और हर मौसम में एक नया त्योहार आता है, जो हमें उस खुशी की याद दिलाता है, जो वे ला सकते हैं। ये उत्सव हमें उत्साहित करते हैं, हमारे दिलों में उम्मीद जगाते हैं और अकेलेपन की भावनाओं को दूर करते हैं, भले ही कुछ पल के लिए ही क्यों न हो। हमें इस त्योहारी भावना को संजोकर रखना चाहिए।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

नवोन्मेष का आवाहन

शिशिर के बाद फागुन और चैत आते के साथ वसंत ऋतु की दस्तक होती है। वसंत में प्रकृति अपने सौंदर्य का सारा संचित खजाना लुटाने के लिए व्यग्र रहती है। उसके अपने दूत बने पक्षी गाकर, वृक्ष और पादप नए पुष्प और पल्लव के साथ सज-धज कर बड़ी मुस्तैदी से इस व्यग्रता का डंका बजाते चलते हैं। फागुन की मदमाती बयार किसी के भी चित्त को उन्मथित किए बगैर नहीं छोड़ती। यह सब एक क्रम में कालचक्र की निश्चित गति में आयोजित होता है। प्रकृति नया परिधान धारण करती है। खेतों और बाग-बगीचों में रंगों से अद्भुत चित्रकारी चलती रहती है। पीली सरसों, तीसी के नीले फूल, आम की मंजरी, कोयल की मधुर कूक के बीच प्रकृति एक रमणीय सुंदर चित्र की तरह सज उठती है। बिना किसी व्यतिक्रम के एक संगति में ये विविधता भरा बदलाव एक नया, अनोखा, आकर्षक और उत्साहवर्धक परिदृश्य रच देता है। नया रमणीय होता है, इसलिए मानव चित्त को बड़ा प्रिय लगता है। नए अनुभव के लिए मन में उत्सुकता और उल्लास भरा होता है। अनजाने का आकर्षण अतिरिक्त उत्साह भरता है।

वसंत में ऋतु परिवर्तन का यह रूप सबको बदलने के लिए विवश करता है। इस आलोड़न के चलते लोग वह नहीं रह जाते जो होते हैं। चित्त के परिष्कार से व्यक्ति कुछ का कुछ बन जाता है। जुड़ने और आत्म विस्तार से ही मनुष्य होने का अर्थ सिद्ध होता, क्योंकि एक अकेला व्यक्ति अधूरा ही रहेगा। दूसरों के बीच और दूसरों से जड़ कर ही हमें अस्तित्व की प्रतीति हो पाती है। पारस्परिकता में ही जीवन की अर्थवत्ता समाई रहती है। यह पारस्परिकता भारतीय समाज में उत्सवधर्मिता के रूप में अभिव्यक्त होती है जो ऊजार्वान बनाती है। जब कालिदास ने उत्सवप्रियाः मानवाः कह कर उत्सवधर्मिता को मनुष्यता का लक्षण घोषित किया था तो उनके ध्यान में होली जैसे मदनोत्सव ही रहे होंगे, जिनमें लोग अपनी भिन्नता से ऊपर उठ कर साझे की अस्मिता रचते हैं। अहंकार की सीमाओं को तोड़ एक अतिक्रामी पहचान बानाने का यह उत्सव जिंदगी में नीरसता के विरुद्ध रस की ललकार है। ऊपरी भेदों को रंगों में डुबो कर सब को अपने जैसा बनाने और देखने का उद्योग आपसी सौहार्द की भावना को भी जगाता है। यह दुखद है कि आज अस्मिताओं की घोर लड़ाई चल रही है। बड़ी अस्मिता को अंगीकार करना निकटता, साझेदारी और सहयोग का मार्ग प्रशस्त करता है। आज की आधुनिक जीवन-शैली में हम अपने अनोखेपन और दूसरों से अलग पहचान पर बड़ा जोर है। सबकी चाह है कि वस्त्र, भोजन और आभूषण सबकुछ कस्टमाइज्ड और डिजाइनर होना चाहिए। अलग लगने और दिखने की अदम्य चाहत से फिजूलखर्ची, ऊब और थकान भी बढ़ रही है। सबसे अलग होने के क्रम में फैशन की दुनिया में नित्य नए प्रयोग हो रहे हैं जिसके चलते व्यर्थता का अहसास भी बढ़ता जा रहा है, परंतु सत्य यही है कि जन्म के समय मनुष्य के रूप में जैविक शारीरिक आकार प्रकार में व्यापक समानताएं होती हैं। फिर समाज में रहते हुए हम अलग नाम, काम और धाम के बीच अपनी मौलिक समानताओं से दूरी बढ़ाते जाते हैं, पर सत्य तो यही है कि हम सिर्फ.एक दूसरे से भिन्न ही नहीं हैं हम सबमें व्यापक समानताएं भी हैं। भिन्नताओं के बीच समानताएं भी गौरतलब होती हैं, क्योंकि उसी की बदौलत संवाद, सहयोग और सहकार संभव होता है। इसलिए समानताओं की पहचान खोजना और अनुभव करना भी बेहद जरूरी है। मानव निर्मित संकुचित अस्मिताओं के चलते तनाव, अत्याचार हिंसा और युद्ध ही बढ़ता है। उत्तरदायित्व की जगह लोभ और स्वार्थ के वशीभूत हो कर अत्याचार और अनाचार जीवन को प्रदूषित कर रहे हैं। आज की बिडंबना यही है कि हम अपने अस्तित्व को सबसे अलग-थलग हो कर सिर्फ. वैयक्तिकता और निजता को समृद्ध और पुष्ट करने की दिशा में गतिशील हो रहे हैं। इसके चलते अकेलेपन के साथ दूसरों के साथ टकराव भी अवश्यंभावी हो जाता है। बंधुत्व और उदारता के साथ सबको जीने का अवसर देकर ही हम सच्चे अर्थों में मनुष्य हो सकेंगे। छोटी अस्मिताओं से ऊपर उठ कर देश, समाज और मनुष्यता के स्तर पर अपनी साझी अस्मिता की वास्तविकता महसूस करते हुए ही मानव कल्याण संभव है। होली की पिछली रात को होलिका दहन में स्वार्थ का दहन कर ही हम होली के वास्तविक आनंद की पात्रता अर्जित करते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

मॉरीशस के गंगा तालाब में मुझे त्रिवेणी संगम से जल को तालाब में विसर्जित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दुनिया भर के लाखों हिंदुओं के लिए त्रिवेणी संगम का विशेष महत्व है। इस वर्ष के महाकुंभ में मॉरीशस सहित दुनिया भर से तीर्थयात्री आए। मां गंगा, यमुना और सरस्वती का आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में 108 एम्बुलेंस सेवा खुद बीमार पड़ गई है। अधिकांश एम्बुलेंस खराब हैं और उचित रख रखाव के अभाव में धूल फांक रहे हैं। गंभीर हालत में तड़पते मरीजों के लिए यह स्थिति घातक बन सकती है। जब जमीनी स्तर पर साधारण एम्बुलेंस भी काम नहीं कर रही, तब सरकार एयर एम्बुलेंस शुरू करने की बात कर रही है। क्या यह असल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश नहीं तो और क्या है? हेमंत जी, पहले सड़कों पर दौड़ती एम्बुलेंस सही करिए, फिर एयर एम्बुलेंस का शिगूफा छोड़िए!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

शेखावाटी में चंग पर धमाल गाकर मनाते हैं होली

राजस्थान के शेखावाटी अंचल में होली एक सुप्रसिद्ध लोक पर्व है तथा इस पर्व को क्षेत्र में पूरे देश से अलग ही ढंग से मनाया जाता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शेखावाटी क्षेत्र में वसंत पंचमी के दिन से शुरूआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है। इन धमालों के माध्यम से जहां प्रेमी अपनी प्रेमिकाओं को अपने प्रेम का संदेशा पहुंचाते हैं, वहां श्रद्धालु लोक देवताओं को याद कर सुख समृद्धि की कामना करते हैं। रात्रि में नवयुवक विभिन्न प्रकार के स्वांग निकाल कर लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। गांवों में स्त्रियां रात्रि में चैक में एकत्रित होकर मंगल गीत, बधावे गाती हैं। होली के दिनों में आधी रात तक गांवों में उल्लास छाया रहता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरूआत तब होती है, जबकि वसंत अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्व है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। शेखावाटी अंचल में होली पर कस्बों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरबा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चित्ताकर्षक वेशभूषा में नगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं। प्रारंभ में धीरे-धीरे शुरू हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता जाता है। इसी रफ्तार में डंडों की आवाज भी टकरा कर काफी तेज गति से आती है तथा नृत्य व आवाज का एक अद्भुत दृश्य उत्पन्न हो जाता है, जिसे देखने वाला हर दर्शक रोमांचित हुए बिना नहीं रह पाता है। होली के अवसर पर चलने वाले इन कार्यक्रमों से यहां का हर एक व्यक्ति स्वयं में एक नई स्फूर्ति का संचार महसूस करता है। इन नृत्यों की लोक परंपरा को जीवित रखने के लिए क्षेत्र की कुछ संस्थाएं विगत कुछ समय से विशेष प्रयासरत हैं। झुंझुनू शहर में सद्भाव नामक संस्था गत 18 वर्षों से होली के अवसर पर चंग, गींदड़ कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है, जिसे देखने दूरदराज गांवों से काफी संख्या में लोग आते हैं। झुंझुनू, फतेहपुर शेखावाटी, रामगढ़ शेखावाटी, मण्डावा, लक्ष्मणगढ़, चूरू, बिसाऊ, लक्ष्मणगढ़ कस्बों का गींदड़ नृत्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। इसी कारण चंग व गींदड़ नृत्य का आयोजन शेखावाटी से बाहर अन्य प्रांतों में भी होने लगा है। धुलंडी के दिन इन नृत्यों का समापन होता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में हर मोहल्ले में अपनी चंग पार्टी होती है। चंग शेखावाटी क्षेत्र का प्रसिद्ध नृत्य है। इसमें प्रत्येक पुरुष चंग बजाते हुए नृत्य करते हैं। यह मुख्यतया होली के दिनों में किया जाता है। चंग को प्रत्येक पुरुष अपने एक हाथ से थाम कर और दूसरे हाथ से कटरवे का ठेका बजाते हुए वृत्ताकार घेरे में नृत्य करते हैं। घेरे के मध्य में एकत्रित होकर धमाल और होली के गीत गाते हैं। होली के एक पखवाड़े पहले गींदड शुरू हो जाता है। जगह- जगह भांग घुटती है। हालांकि अब ये नजारे कम ही देखने को मिलते हैं, जबकि, शेखावाटी में ढूंढ का चलन अभी है। परिवार में बच्चे के जन्म होने पर उसका ननिहाल पक्ष और बुआ कपड़े और खिलौने होली पर बच्चे को देते हैं। शेखावाटी अंचल के हर गांव कस्बे में रात्रि में लोग एकत्रित होकर चंग की मधुर धुन पर देर रात्रि तक धमाल गाते हुए मोहल्लों में घूमते रहते हैं। होली के अवसर पर बजाया जाने वाला चंग भी इसी क्षेत्र में ही विशेष रूप से बनाया जाता है। चंग की आवाज तो ढोलक की माफिक ही होती है, मगर बनावट ढोलक से सर्वथा भिन्न।

नया मौका

कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नवनिर्वाचित नेता मार्क कार्नी, जो अब प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत हैं, के सामने अपेक्षाकृत कम वक्त में मुश्किल काम को निपटाने की जिम्मेदारी है। कार्नी, जो इस हफ्ते जस्टिन ट्रूडो के औपचारिक रूप से पद छोड़ने के बाद उनकी जगह लेंगे, को 24 मार्च को संसद के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा। कनाडा में संघीय चुनाव अक्टूबर 2025 में होने हैं, लेकिन पर्यवेक्षकों का कहना है कि कार्नी उससे पहले ही अचानक चुनावों का एलान कर सकते हैं। उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके द्वारा दी जाने वाली धमकियों का डटकर मुकाबला करने के चलते लिबरल पार्टी की लोकप्रियता में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी की लहर पर सवार होकर फतह हासिल करने की उम्मीद है। ट्रंप ने लगातार ट्रूडो पर यह कहते हुए निशाना साधा है कि कनाडा के लिए अमेरिका का 51वां राज्य बनना बेहतर होगा। वे कई प्रकार के शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कनाडा पर अनुचित शुल्क लगाने के साथ-साथ फेंटेनाइल ड्रग्स एवं आप्रवासियों को सीमा पार से आने की इजाजत देने का आरोप लगाया है। कनाडा ने जवाबी टैरिफ की धमकी दी है तथा वह अमेरिका को निर्यात की जाने वाली बिजली पर 25 फीसदी का अधिभार लगाने पर विचार कर रहा है। कार्नी ने दावा किया है कि हॉकी की तरह ही व्यापार में भी कनाडा जीतेगा। कार्नी, जो कि एक निर्वाचित और पारंपरिक राजनीतिज्ञ नहीं हैं, को अपने प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे से मुकाबला करने के दौरान मतदाताओं को अपनी क्षमता के बारे में आश्वस्त करना होगा। पोलीवरे हाल के सप्ताहों तक सर्वेक्षणों में काफी आगे रहे हैं। इस मामले में कार्नी के गैर राजनीतिक कौशल काम आएंगे। वे एक अर्थशास्त्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर थे। वे ट्रूडो मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं थे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

How to Celebrate Holi

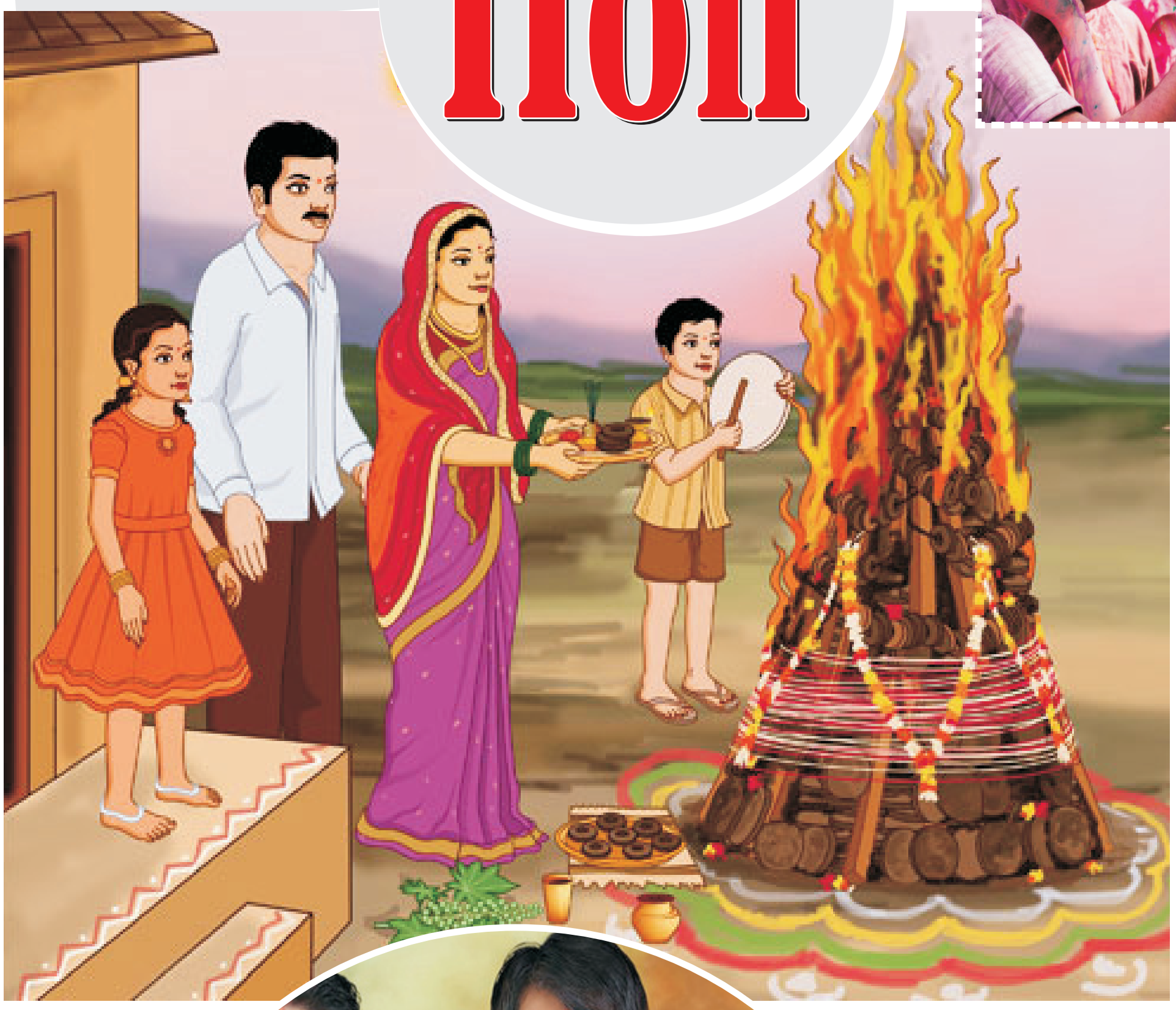

Holi is a Hindu festival that celebrates the arrival of spring. The festival is celebrated over the course of several days, usually in the second week of March. Holi is one of the most popular Hindu festivals, and it's celebrated by people both young and old. From lighting the Holika bonfire, to playing colors, to visiting with friends and family, Holi is a wonderful celebration to bring the community together and celebrate the triumph of good over evil.

Lighting the Holika Bonfire

1.Collect and stack the wood.

Traditionally, 40 days before the Holi celebration, there would be a log placed in the center of town to signify it was time to collect wood for the Holika bonfire. Everyone placed any wood or flammable scrap materials they had on top of the log, and they'd end up with a large pile of wood ready to burn. Gather enough wood and combustible material to create a medium to large sized pile for your Holika bonfire.

2.Place the statue of Holika on the wood.

On the eve of Holi, place a combustible statue of Holika, the sister of the demon king Hiranyakashipu, in the pile of firewood. Burning Holika in the bonfire symbolizes the triumph of good over evil because she is said to have tried to kill Prahlad, the son of Hiranyakashipu and a devoted follower of Lord Narayana.

3 Light the bonfire.

Use a fire starter like kerosene to pour a little on the wood to help get the fire going. Light a match and throw it into the pile of wood to start the fire.[3]

Make sure to stand far from the wood when trying to start the fire so you don't get hurt.

Gather friends, family, or the community together to watch the Holika bonfire light.

4.Chant the Rakshoghna Mantras.

While you watch the bonfire, chant the Rakshoghna Mantras. These mantras are found in the Rig Veda, an ancient Indian collection of the Vedic Sanskrit hymns. Enjoy the fire by dancing around it and chanting the mantras to ward off evil spirits.

You can find the text for these mantras online or by purchasing a book of the Rig Veda.

Playing Colors

1.Buy or make colors.

The day of the Holi celebration, people celebrate the end of winter and the coming of spring by showering each other with bright colored powder and water. You can buy gulal, which is a natural red-orange color made from the flowers of palash. The flowers are dried and ground to create a powdered color. You can also buy abeer, which is small crystal chips of mica that create a sparkly silver color. People frequently combine the two to create a fun red-orange sparkly colored powder.

You can also find colors of yellow and green to buy in markets or online.

There are many more colors available that are made from rice flour and natural colorings. Look online to buy Holi colors for the next festival.

Red, yellow, green and violet are some most used colors.

2.Smear colors on your loved ones.

Smear the colored powder onto your friends and family to make them colorful and commence the festival of colors. The colors are non toxic and won't stain so have fun smearing them on your family members' arms, legs, back, and hair.

3Spray colored water with pichkaris.

A pichkari is a water gun to squirt colored water from as a fun way to celebrate Holi. Mix some of the colored powder with water and then add it to the pichkari. Use the pichkari to cover people with colored water and enjoy playing in the bright colors.

Pichkaris are especially fun for kids to celebrate Holi with.

They make great gifts for kids in preparation for the Holi celebration.

4.Sing and dance to the beat of the dholak.

A dholak is a hand drum that is played at celebrations such as Holi. Enjoy the celebration by dancing in the colors to the beat of the dholak. Sing Holi songs and let your body move to the beat while you celebrate the coming of spring.

5.Eat and drink traditional Holi delicacies.

A great way to celebrate Holi is with delicious traditional Indian meals. There are many different traditional meals for Holi depending on what region you are in, but here are some popular foods and drinks you can try.

One Holi staple is Thandai, a traditional creamy milk drink flavored with nuts and spices, it often has some herbs that might make you feel dizzy. You may drink it after you've enjoyed together.

Gujia or Ghughra is a sweet dish which you will enjoy.

Puran Poli is a popular sweet dish typically eaten in Maharashtra. It is a sweet flatbread with a buttery taste and a stuffing of lentils and spices.

Dahi Wada is a tasty snack food made from lentil fritters soaked in Indian yogurt.

Breaking the Pot

1.Hang a pot of buttermilk in the streets.

One older tradition of Holi is the breaking of the pot. First you string up a ceramic pot of buttermilk in a street. It is said that Lord Krishna was very fond of buttermilk and would steal it from the houses in the village. To hide it from young Lord Krishna, the women would hang the buttermilk high up in the streets.

2.Form a human pyramid with the men.

The men in the town form a human pyramid by balancing on each other's backs or shoulders. The pyramid should be tall enough for the person on top to reach the pot of buttermilk.

Be careful balancing on another person's back or shoulders. This can be extremely tricky and requires a lot of balance.

3.Break the pot with the top person's head.

When the pyramid becomes tall enough for the top man to reach the pot, he should break the pot of buttermilk with his head. This is what is traditionally done to celebrate the breaking of the pot, but you could also break it with your hands if you can't use your head.

4.Sing Holi songs and throw water.

The women of the town surround the men in the pyramid. They have fun singing traditional Holi songs and throwing buckets of water. The women should enjoy singing and dancing around the men in celebration of Holi.

Visiting Friends and Family

1.Go to a friend or family member's home.

At the end of the evening when the celebration of the colors has subdued, many people like to visit friends or family to enjoy the evening. Holi is a celebration meant to bring together the community so it culminates with coming together and relishing in the day's festivities.

2.Exchange sweets with them.

It's customary to bring sweets to exchange with your friends and family when you visit them. People bring traditional Indian delicacies to enjoy together creating a great end to the celebration.

Gujia, Coconut Burfi, Rava Ladoo, or Carrot Halwa would be great sweets to bring.

3.Enjoy an evening with loved ones.

Some towns organize large Holi get togethers in the evening, but you can also just enjoy visiting at a person's home. Exchange hugs and well wishes with friends and family to celebrate Holi and the spirit of brotherhood. Continue singing songs and enjoying dances as the evening winds down. Holi truly is an all day celebration.

Dalal Street holiday: Is the stock market open or close on Maha Shivratri 2025

New Delhi. Dalal Street has been under pressure over the past two months with the Sensex and Nifty falling continuously, but will get a much-needed break on February 26.Stock markets will remain closed on Wednesday, February 26, on account of Maha Shivratri. Both the Bombay Stock Exchange (BSE) and the National Stock Exchange (NSE) will observe a holiday, halting all trading activity for the day.This will be the first stock market holiday of 2025. As per the holiday list announced by the exchanges, there will be a total of 14 market holidays during the year.With the holiday on Maha Shivratri, there will be no trading in the equity segment, equity derivatives, currency derivatives, interest rate derivatives, commodities, and securities lending and borrowing (SLB) segment. Trading will resume on Thursday, February 27, as per normal market hours.Stock markets usually operate from Monday to Friday, except on declared holidays. They remain closed on Saturdays and Sundays. However, this year, markets were open on Saturday, February 1, for the Union Budget session.On a typical trading day, the Indian stock market follows a schedule that includes:

Pre-opening session: 9:00 am to 9:15 am

Continuous trading session: 9:15 am to 3:30 pm

Closing session: 3:40 pm to 4:00 pm

Morning block deal session: 8:45 am to 9:00 am

The most number of stock market holidays in 2025 will be in April and October, with three holidays each. March and August will have two holidays each. February, May, November, and December will have only one stock market holiday each.

Investors and traders should plan their activities accordingly, considering the scheduled holidays throughout the year.

Donald Trump's latest order triggers sharp sell-off in China tech stocks

New Delhi. Chinese technology stocks fell sharply after US President Donald Trump introduced new restrictions on US investments in Chinese companies. The move has further increased tensions between the two biggest economies in the world, leading to concerns about financial and technological separation.The Hang Seng Tech Index dropped by as much as 4.4% on Tuesday, marking its biggest fall since November. Alibaba Group Holding Ltd. saw its shares plunge 7.9% in Hong Kong, following a 10% decline in its American depositary receipts. The Nasdaq Golden Dragon China Index, which tracks US-listed Chinese companies, also fell by 5.2% overnight.

These losses have raised concerns about the strong rally seen in Chinese tech stocks earlier this year, which was driven by investor confidence in artificial intelligence and new developments like DeepSeek. While investors had initially dismissed Trump's earlier tariff measures, the latest orders have made them reconsider the risks of growing US-China tensions.Over the weekend, Trump announced stricter scrutiny of foreign companies listed in the US, focusing on their ownership structures. He also increased pressure on US pension and endowment funds to limit investments in China's high-tech sector.

"Given the strong rise in AI-related Chinese stocks this year, the uncertainties created by Trump's actions could lead to profit-taking. If these orders are implemented, there is a risk that AI supply chains could be affected," Charu Chanana, chief investment strategist at Saxo Markets, told Bloomberg.Chinese internet giants have been gaining investor confidence this year, especially with positive developments in artificial intelligence. However, the latest market drop shows how quickly investor sentiment can change when new risks emerge.

Parliamentary panel meets for reviewing I-T Bill 2025

New Delhi. The select parliament panel constituted to review the Income-Tax Bill, 2025 met for the first time on Monday. As per sources, members of the panel were briefed about the new Bill, and some of the members raised initial doubts and questions about the Bill. Apart from that nothing much happened, said one of the members in the panel.

The panel was set up to review the new I-T Bill, and submit its report by March 10. After the panel's report is submitted, the government would try and incorporate the changes suggested by the panel.

The Bill would then be tabled again in parliament and once it is passed by Parliament and becomes an Act, new rules and forms will be notified. Simultaneously,

the government will develop software to set up the systems and processes for various administrative and quasi-judicial functions. The Bill is expected to come into force by 1 April 2026.The 31-member panel is headed by BJP Lok Sabha member of parliament (MP) Baijayant Panda. Other members include Nishikant Dubey, P P Chaudhary, Bhartruhari Mahtab and Anil Baluni (all BJP), and opposition MPs like Deepender Singh Hooda of the Congress, Mahua Moitra of the TMC, Supriya Sule of the NCP (SP) and N K Premachandran of the RSP.he new Bill is more about consolidation of scattered tax provisions, simplification and elimination of redundant laws than about rate ir structural changes.

Sebi proposes tighter rules for index derivatives. Here's what it means

In a consultation paper released late Monday, Sebi said it wants to link stock derivative position limits to the cash market. The idea is to cap the market-wide position limit at the lower of 15% of a stock's free-float market cap or 60 times its average daily delivery value.

New Delhi. The Securities and Exchange Board of India (Sebi) wants to tighten the rules for index derivatives and cut down position limits in stock derivatives to reduce risks in the market, reported news agency Reuters.The regulator is worried that heavy speculation in futures and options (F&O) is spilling over into the broader market, which has been shaky after hitting record highs in September 2024.In a consultation paper released late Monday, Sebi said it wants to link stock derivative position limits to the cash market. The idea is to cap the market-wide position limit at the lower of 15% of a stock's free-float market cap or 60 times its average daily delivery value.Sebi believes this will help curb manipulation and bring better alignment between derivatives and cash market liquidity.The markets regulator has also proposed that derivatives on indices other than benchmark Sensex and Nifty50 should only be offered if the index meets a certain criteria.

"Index derivatives are cash-settled, but the nexus between cash and derivative markets nevertheless exists," Sebi said. "If a high proportion of index weightage is attributable to a small number of stocks, participants could effectively replicate a large (and unmonitored) position in those constituents, giving rise to fears or risks of market manipulation and/ or excessive market volatility," it added.For index derivatives, Sebi is proposing that only indices with at least 14 stocks should be eligible.

It also wants to ensure no single stock dominates an index—so the top three stocks together can't have more than 45% weight, and no single stock can have more than 20%.This is to prevent traders from building large, unmonitored positions in a few stocks via index derivatives, which could distort prices.Sebi is also looking at bringing a pre-open session for futures, just like in the cash market. This would start with current-month futures on stocks and indices to improve price discovery.These proposals come after Sebi already made derivatives trading tougher in October by raising entry barriers and increasing trading costs for retail investors. The regulator has invited feedback from market participants on these new rules till March 17.

DBS to reduce workforce by 4,000 in 3 years because of AI adoption: CEO

New Delhi. DBS Group expects a 10% reduction in its workforce in the next three years as artificial intelligence adoption goes deeper into the operations, its chief executive Piyush Gupta said on Monday.

Gupta said AI is different and unlike any other technologies adopted in the past and added that he is struggling to create new jobs for the first time in his over 15-year stint at the helm of the Singapore-based bank. "This year, my current projection is that in the next three years, we are going to shrink our workforce by 4,000 or 10%," Gupta said at a Nasscom event in Mumbai. Gupta added, "AI is very powerful. It can self-create and also mimick." Gupta said in the last 10 years, there have not been any job cuts in the group.He reminisced that in 2016-17, the bank embarked on a digital transformation which was seen impacting 1,600 people but added that almost all of them were repurposed in consultation with the unions and other representatives.

However, the current challenge in the age of AI is also revolving around how to repurpose the workforce. The bank has been cautious about relying fully on AI when it comes to customer outreach because of aspects like hallucinations but added that it has done first use case on reaching customer directly and plans to broadbase it by end of the year. DBS started implementing generative AI solutions two years back, and the entire benefits of generative AI are yet to be seen, Gupta said.

Sensex, Nifty snap losing streak to open higher, but FII selling remains concern

The S&P BSE Sensex was up 81.16 points to 74,535.57, while the NSE Nifty50 gained 11.40 points to 22,564.75 as of 9:25 AM.

New Delhi. Benchmark stock market indices broke their losing streak to open higher on Tuesday, driven by gains in auto sector stocks in early trade.The S&P BSE Sensex was up 248.95 points to 74,703.36, while the NSE Nifty50 gained 51.90 points to 22,605.25 as of 9:25 AM.Dr. V K Vijayakumar, Cief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the market is oversold, largecap valuations are fair and short positions in the market are high."This warrants a bounce back particularly if a short covering happens. But the real issue is the relentless FII selling in the cash market which has touched 43200 crores in February so far. Since cash market selling and shorting in the derivatives market have been profitable for FIIs, they might continue to sell and try to profit from the negative momentum in the market. It is the sustained DII buying that is preventing the market from a capitulation," he added.

Among the gainers, M&M led the pack with a rise of 2.41% as auto sector was the biggest gainer in eary trade, followed by Bajaj Finance NSV which gained 1.63%. Bharti Airtel also performed well, climbing 1.51%, while Bajaj Finance added 1.30% and IndusInd Bank rounded out the positive performers with a 1.15% increase.On the downside, Hindalco was the biggest loser, dropping 2.94%. NTPC declined by 1.03%, while Coal India fell 0.97%. Larsen & Toubro slipped 0.94%, and Hero MotoCorp decreased by 0.88%.

"Trump tariff uncertainty will continue to weigh on markets. Domestically we need indications of a growth and earnings recovery in India. Investors should stay with quality stocks which will bounce back when the inevitable recovery happens. Patience is the key," said Vijayakumar.

The Nifty Smallcap100 rose 0.53%, while the Nifty Midcap100 also moved higher, adding 0.28%. The India VIX, often referred to as the fear gauge, declined by 3.11%.

Tata Capital IPO to soon make Dalal Street debut as board clears listing plans

New Delhi. Tata Capital has approved its plan to launch an initial public offering (IPO), in which the non-banking financial company (NBFC) will issue 23 crore new shares, reported news agency Reuters. Existing shareholders will also sell their stakes through an offer for sale (OFS), the company announced on Tuesday.

The financial services arm of the Tata Group is required to list on the stock exchanges by September this year, as per the Reserve Bank of India's (RBI) regulations for "upper layer" non-banking financial companies.

Tata Capital will be the first company from the Tata Group to launch an IPO since Tata Technologies went public in November 2023.

The company has not shared further details on the size of the IPO, expected valuation, or timeline. However, the listing is expected to be closely watched by investors, given the strong brand value of the Tata Group and the steady growth of India's financial services sector.

Tata Capital was established in 2007 and

provides various types of loans, including home loans, personal loans, business loans, and loans against property. It also offers wealth management and investment services.

Tata Sons, the holding company of the Tata Group, is the largest shareholder in Tata Capital, with a 92.8% stake as of March 2024. The IPO will reduce its ownership, but the extent of dilution will depend on the final structure of the offering.In addition to clearing its IPO plans, Tata Capital's board has also approved a rights issue of Rs 1,504 crore ($173 million). This move will help the company strengthen its capital base ahead of the public listing.

India, UK resume trade talks; tariff, business visa key issues

Commerce minister Piyush Goyal says business mobility is a separate issue, and that business visas would certainly be part of the trade negotiations.

New Delhi. Commerce minister Piyush Goyal on Monday clarified that the ongoing Free Trade Agreement (FTA) with the United Kingdom would only consider the issue of business visas and not discuss immigration. He said nowhere in the world immigrations are part of the trade negotiations. Goyal was responding to a media query after the resumption of free trade talks with the UK on Monday.

"They are two (immigration and free trade negations) are two different subjects and India has never discussed immigration in any free trade negotiations," Goyal said.His counterpart – Secretary of State for the Department for Business and Trade of the United Kingdom Jonathan Reynolds – seconded Goyal's statement as he said that the UK government treats the two matters separately.He, however, clarified that business mobility is a separate issue, and that business visas would certainly be part of the trade negotiations. Goyal also added that student visas are akin to business visas and they would also be part of the trade talks with the UK.The trade talks with the UK began after a hiatus of nine months. The 14th round of negotiations for the FTA, which began on January 10 last year, was underway till May 2024 when the process was paused by the UK side due to their elections.When asked if the trade negotiations would be completed in the current financial year, Goyal said it's never too early and never too late to conclude a good agreement.I have consistently maintained in all our trade negotiations over the years that trade agreements are for a long term future. One has to Crystal gaze into 20, 30 or 50 years into the future and make a robust agreement, which is agreement from both sides. And therefore, we should not rush into things," said Goyal.

According to a press statement by the ministry of commerce, both sides have agreed to resume negotiations towards a balanced, mutually beneficial and a forward-looking deal that delivers mutual growth and builds on the strengths of the two complementary economies.While 14th rond of discussions have taken place, there are a few thorny issues left to be resolved between the two countries. India is demanding greater access for its skilled professionals from sectors like IT and healthcare in the UK market, besides market access for several goods at nil customs duty. The UK, on the other hand, is seeking a tariff cut in import duties on goods such as scotch whiskey, electric vehicles, lamb meat, chocolates and certain confectionary items.

"Many of the tariffs that India has are really to protect us from non-market and non-transparent economies or economies which are known for predatory pricing or dumping of goods, and I think between the UK and India, we have much more flexibility and ability to significantly reduce tariffs to make businesses more competitive between the two countries," Goyal said while responding to a question on tariff.

NEWS BOX

10 Pachaiyappa's College students held for hurling stones at train in Chennai

CHENNAI. In another fallout of inter-college rivalry, the Perambur GRP arrested 10 Pachaiyappa's College students, including a 17-year-old boy, for allegedly hurling stones at an EMU train in which a group of Presidency College students were travelling on Monday.

Sources said that when the train stopped at Korattur station, some students of Pachaiyappa's College who were present there started throwing stones at the compartments in which students of Presidency College were sitting.

However, nobody was injured in the attack, police said. Inquiries revealed that the attack was retaliation of a clash that broke out between two groups at Vyasarpadi Jeeva railway station on Friday.

When asked how the incident took place despite increased security after a student of Presidency died in a 'route thala' clash in October last year, a senior GRP official said police personnel are always present on the platforms of railway stations which have GRP stations. Smaller stations have cops monitoring them on a shift basis. "The incident took place when there was no police personnel at the station," a GRP source said.

Railway staff from Chennai, Vijayawada lauded for return of lost laptop on train

VIJAYAWADA. The Railway Protection Force (RPF) and commercial staff from Chennai and Vijayawada divisions earned high praise for their prompt action in returning a lost laptop to a passenger aboard the Vande Bharat Express. On March 6, S Srinivas, former GM of Rail Coach Factory, Kapurthala, accidentally left his laptop on the train. A TTE discovered the device and alerted Vijayawada RPF, who traced the passenger through the reservation system and returned the laptop.

Srinivas lauded the staff's professionalism in a letter to the SCR GM. Vijayawada DRM Narendra A Patil commended the team.

Gang uses crude bomb, machetes to kill rival in broad daylight in Tamil Nadu

The police said the gang, on two motorbikes, surrounded Raja, who was talking to his friends near a ration shop at Thirukalimedu in Kancheepuram district.

CHENNAI: A 38-year-old history-sheeter was killed in broad daylight at Thirukalimedu near Kancheepuram on Tuesday afternoon after an unidentified gang attacked him with machetes and hurled country-made bombs at him as he attempted to escape. The deceased — A Raja, alias 'Vasool' Raja (38) — had at least 18 cases registered against him, including four murder cases in Kancheepuram district, said Sivakanchi police, who suspect that the fatal attack could be a fallout of a gang rivalry. Raja had come out on bail four months ago in a murder case.

The police said the gang, on two motorbikes, surrounded Raja, who was talking to his friends near a ration shop at Thirukalimedu in Kancheepuram district. The suspects hacked him with machetes, and when he attempted to escape, they hurled country-made bombs at him, said the police, adding that the suspects threatened Raja's friends to stay away, and fled after he collapsed.

CCTV footage scanned to trace suspects

Alerted by bystanders, the police rushed to the spot and took the victim to the Kancheepuram Government Hospital, where the doctors declared him dead on arrival.

Subsequently, the Sivakanchi police sent the body for postmortem examination and registered a case. They have constituted special teams and are poring over CCTV camera footage near the crime scene to trace **the suspects.**

History-sheeter hacked to death in Thanjavur

In a suspected revenge murder, a history-sheeter was hacked to death by a gang near Thanjavur on Tuesday. B Kurunthaiyan (50) was knocked down on Vallam-Orathanadu Road by a car-borne gang that hacked him to

Chennai's new parking policy mandates travel management plans for large employers

The new plan aims at encouraging public transport, walking, cycling and streamlining on-street parking

CHENNAI. The new parking policy rolled out by Chennai Unified Metropolitan Transport Authority (CUMTA) for the Chennai Metropolitan Area on Tuesday calls for employers with over 100 employees to come up with a solid travel demand management plan or in other words, to "stop letting everyone drive their own cars to work".

This is done to encourage shared rides, public transport and even walking or cycling. This means employers will have to keep track of where you live, how you get to work, what vehicle you use and even when you travel. These data are meant to help employers provide better shuttle services to metro stations, suburban trains and bus stops.

A parking management unit will be set up under CUMTA (as a special purpose vehicle or a division) to prepare parking management and implementation plans, recommend parking pricing and enforcement of parking strategies; and give regular recommendations for improvement. It is to be headed by a dedicated officer reporting to CUMTA. The new policy, released after getting the state government's green light, suggests the introduction of a 'proof of parking' that validates the availability of at least one off-street parking space, for future registration of vehicles as a long-term measure.

Area level parking management plans are to be created, as part of the new policy, which takes into account entire neighbourhoods for assessing demand and designating parking spaces. Earlier, sources said, parking management was done at the street-level, which often resulted in unregulated spillover to adjoining streets.

With nearly 9.2 million vehicles jostling for space, on-street parking has turned into a free-for-all. CUMTA wants to change that by treating parking as an urban mobility measure, says CUMTA special officer I Jayakumar.

He said three types of street parking spots will be determined in every area level parking management. These include high-demand block face, medium-demand block face and low-demand block face. Based on this category, the city will determine four prices -- high, medium, low and free. A street can have a mix of all the four price ranges. For example, a 2-km-long street can have high and low prices based on the demand.

The parking fees will be based on factors like vehicle size, parking duration and parking demand. The urban local bodies will fix the parking fee based on the recommendations as per the area-level parking management plan.

Tamil Nadu yet to act on Justice Chandru panel's report on caste issues in schools

The government is yet to provide clarity on its intent in implementing some of the other recommendations, which included morality classes for students.

CHENNAI. Thoothukudi, on Monday, witnessed the gruesome incident of a Class 11 Dalit student, who was on his way to school in a bus, being attacked with sharp weapons by his schoolmates from intermediate castes.

This was eerily similar to the brutal attack on a Class 12 Dalit student from neighbouring Tirunelveli district in August 2023, which not only caused state-wide outrage but also led to the state government appointing Justice (retd) K Chandru to head a one-man commission to recommend measures to prevent caste-based differences in educational institutions.

Despite recurring incidents, the voluminous report submitted by Justice Chandru nine months ago seems to be gathering dust. Justice Chandru, in a recent interaction with, had lamented that the state government has not even responded to say whether it has studied the report and whether it is accepting the recommendations in full or in part.

He, however, pointed to the opposition to the report not only from some political parties but also from teachers' organisations. He noted that the government may be concerned about the political challenges it may have to face in implementing the recommendations when the Assembly elections are due in a year.

It is true that some of his recommendations faced mixed reactions, especially the merger of all schools under one department and introducing centralised distribution of noon meals.However, the government is yet to provide clarity on its intent in implementing some of the other recommendations, which included morality classes for students, a social justice monitoring committee of academicians and activists to review curriculum, and mandatory orientation for teachers and officials on social issues.

Stressing the need for swift action, K Samuel Raj, general secretary of the Tamil Nadu Untouchability Eradication Front, pointed out that at least two other caste-related incidents, including students dancing to a song evoking caste pride in Krishnagiri, and an attack on a Dalit student in Dharmapuri have been reported in March alone.

He said his organisation is also opposed to a centralised kitchen for noon-meal distribution as it may play into the opposition for appointment of Dalit cooks in some places.

Forest department urges action on panchayat president's order

Chakkittapara panchayat president K Sunil Kumar had on March 5 announced the panchayat council's decision to shoot down wild animals that enter human habitations.

KOCHI. The forest department has urged the government to cancel the honorary wildlife warden status conferred on Chakkittapara panchayat president K Sunil Kumar, who ordered to shoot down wild animals that enter human habitations.

Sunil had on March 5 announced the panchayat council's decision to shoot down wild animals that enter human habitations. Soon after, the forest department sent a notice to the panchayat secretary seeking explanation behind the controversial order.

The cabinet in 2022 had conferred the honorary wildlife warden status on panchayat presidents to shoot and kill wild pigs that were destroying crops. The move had followed the Ministry of Environment and Forest's rejection of the state's recommendation to declare wild pigs as vermin under Section 62 of the Wildlife Protection Act, 1972.

As per the section, any wild animal listed under Schedule II of the Act can be declared as vermin in a specific area for a specific period of time.

Chief Wildlife Warden Pramod G Krishnan sent a letter to the additional chief secretary (forest and wildlife) pointing out that the council's decision is against the Constitution and questioning the law and order prevailing in the country.

Doctors reject Government Medical College Professor posts

VIJAYAWADA. In a recent promotion exercise, 32% of eligible government doctors declined Professor posts, despite 33% of Government Medical College (GMC) positions remaining vacant.

Health Minister Y Satya Kumar Yadav expressed serious concern and urged officials to introduce measures encouraging acceptance. Of the 28 Associate Professors from 12 clinical and non-clinical departments invited for counselling, only 19 accepted promotions, while nine refused due to unfavourable college locations. Despite their refusal, all nine were promoted based on vacancies but are unlikely to join.

Yadav attributed the refusals to a policy change allowing candidates to decline promotions repeatedly, unlike the previous cap of two rejections. He directed the Special Chief Secretary to formulate strategies to address vacancies. He stressed that reluctance to accept postings in less-preferred locations has worsened the crisis, underscoring the need for policy adjustments to make promotions more appealing and, where necessary, mandatory to ensure adequate staffing.

4 Maharashtra Transport Officials Suspended For Negligence In Pune Rape Case

Transport Minister Pratap Sarnaik made the announcement in the assembly which is having its budget session in Mumbai.

Mumbai. The Maharashtra government on Tuesday announced the suspension of four officials of state-run road transport corporation MSRTC, including a senior manager, for showing negligence in an incident in which a woman was raped at Swargate bus depot premises in Pune city.

Transport Minister Pratap Sarnaik made the announcement in the assembly which is having its budget session in Mumbai.

In a statement, Sarnaik said after the rape of a 26-year-old woman inside a parked Maharashtra State Road Transport Corporation (MSRTC) bus at the depot on February 25, a probe had been ordered to ascertain whether there was any negligence on behalf of officials of the corporation.

After receiving the probe report on Tuesday, senior depot manager Jayesh Patil, junior depot manager Pallavi Patil, assistant transport inspector Sunil Yele and assistant transport superintendent Mohini Dhage were suspended for negligence, he told the house. The minister warned of similar action if there was any dereliction of duty with regards to passenger safety at MSRTC facilities.

He said 22 security guards who were on duty when the incident occurred were immediately replaced.

Dattatray Gade (37), with past criminal records, has been arrested for raping the woman, who works in the health sector.

The Mahayuti government came under severe criticism over the incident which sparked outrage.

CM Pinarayi Vijayan to lay foundation stone for Wayanad township on March 27

Revenue Minister K Rajan announced this in response to an adjournment motion brought by the Opposition in the assembly on Tuesday.

KALPETTA. Chief Minister Pinarayi Vijayan will lay the foundation stone for the proposed township to rehabilitate Wayanad landslide victims on March 27. Revenue Minister K Rajan announced this in response to an adjournment motion brought by the Opposition in the assembly on Tuesday.

"The government is undertaking a major disaster rehabilitation project, and there has been no delay. The beneficiary list was prepared following strict norms, and Rs 120 crore will be allocated to reconstruct roads in the affected areas," Rajan said.The motion, moved by MLA T Siddique, sought a special discussion on the rehabilitation and welfare issues of the landslide victims. However, Speaker A N Shamseer denied permission, prompting a walkout by the Opposition.

Wayanad Collector D R Meghasree, who is also the chairperson of the District Disaster Management Authority, continues to meet with victims to obtain their consent for rehabilitation.

So far, only 20 of the 125 families on the beneficiary list have signed the consent form. On Monday, 12 signed, followed by eight on Tuesday.

The government has offered two options: a 1,000 sq. ft. house in the township to be built on 64 ha of land in Elstone Estate or financial assistance of Rs 15 lakh. However, many are reluctant to sign, demanding Rs 40 lakh instead.

Noida airport to start with only domestic flights

Noida. Noida International Airport is likely to get its aerodrome licence in May, but that does not mean flight operations will begin at the airport that month.

With the terminal building not yet complete, it is certain that the airport will miss its targeted launch date of April 17, but there's no word yet on what the new date could be.

On Monday, a review meeting of the airport was chaired by chief minister Yogi Adityanath. TOI had reported last week that the terminal building is still only around 70% complete and the international floor, which is lagging behind, may not be complete by the time the airport is ready for operations.

Noida International Airport (NIA) officials have, meanwhile, told TOI it will have a separate VIP terminal that will also host a ceremonial lounge. While a majority of airports in India have a VIP lounge, the busiest ones like Delhi's IGI have ceremonial lounges to ensure speedy boarding and alighting of dignitaries. "The VIP terminal is situated in the western precinct of the airport compound, near the west airside gate to facilitate seamless movement to and from aircraft. The VIP terminal is designated for use by VIPs and dignitaries and will feature a ceremonial lounge along with security and immigration facilities to process departures and arrivals," said an NIA official. At IGI, VIPs drive to the ceremonial lounge and then take an elevator to the boarding level. Ditto on the way out. International dignitaries are welcomed on arrival at the lounge.

At the Lucknow meeting, sources said the CM expressed dissatisfaction at the slow progress of the terminal building. The airport is missing a second deadline, as a result. Its first was Sept 2023.

In a statement on Tuesday, NIA confirmed the airport will begin operations with only domestic flights. "Noida International Airport is making steady progress towards operational readiness. The Airports Authority of India (AAI) is advancing its work at the air traffic control tower, while construction of the passenger terminal and associated infrastructure is progressing well. The next major milestone is granting of the aerodrome licence, expected in May," said a statement by NIA concessionaire YIAPL. v"The airport will begin operations with domestic flights, with international routes to follow in the subsequent months. Discussions are ongoing with the state and central govt regarding the start of commercial operations," it added.

Since the aerodrome licence is yet to be issued and the terminal remains incomplete, crucial processes such as setting up ticketing services, airline scheduling, and passenger management systems have not yet begun. Given these challenges, launching commercial operations in May seems unlikely.

The March 10 meeting was supposed to finalise the flight schedule, the number of flights, and categories of services to be launched initially. A detailed report on the airport's status was presented to the CM. However, following the review, no statement was issued on any of these aspects of the airport.

Earlier, govt's special purpose vehicle for the airport, Noida International Airport Ltd (NIAL), had announced operations would begin with around 30 flights – 25 domestic, three international and two cargo.

The concessionaire agreement includes a penalty clause of Rs 10 lakh per day for delays beyond the deadline. However, the state govt has not yet imposed any fines on YIAPL.

Deadline month away, but RTE admissions not started yet in Noida and Ghaziabad

Noida/Ghaziabad. Despite govt directives to expedite the admission process, Right to Education (RTE) admissions for several private schools in Noida and Ghaziabad are yet to commence. Three rounds of lotteries and school allotments have been completed on time, but private schools across the two districts said they cannot complete RTE admissions until April due to the ongoing board exams.

This session, for the first time, RTE admissions process began as early as Dec, 2024, with the aim of completing it by April in an effort to prevent delays. Earlier, RTE admissions extended well into Sept, with students finding it deifficult to cope up with catching up with the syllabus mid-session.

As per education department guidelines, the process is to be conducted in four phases, with the final phase concluding on March 27 this year, to ensure the new academic session starts in April.

"Though the lottery rounds were completed on schedule, private schools have yet to finalise admissions. Many schools received allotment letters but have not confirmed the admissions, citing ongoing CBSE exams as the primary reason for the delay," said a senior official from the basic education department, Noida.

Officials said that the admission process often takes longer than expected, which leads to academic delays.

"Schools are busy with ongoing CBSE exams, and this has caused a delay in the admission process. However, the process has already begun, and many schools have accepted the allotment letters. We hope to complete the admissions by April," said OP Yadav, basic shiksha adhikari of Ghaziabad.

Planning pool party for Holi in Noida this week? Take a permit first

Noida. The GB Nagar sports department has prohibited Holi parties from being held at sports grounds in Noida and Greater Noida and has also mandated residential societies to obtain permission before organising swimming pool parties. There are approximately 150 registered sports grounds in the district designated for sports like cricket and football.

Anita Nagar, deputy sports officer said the department has issued notices to owners of sports grounds where Holi parties with music performances are scheduled. "Sports grounds meant for cricket or football cannot be used for such gatherings. It is disrespectful to both the sport and the ground. We have sought clarification and instructed them to cancel such events immediately," she said.

For residential societies planning a Holi pool party, Nagar added that even though such parties are generally prohibited, if societies wish to host such activities, they must seek permission and provide an undertaking accepting responsibility for any mishap during the event. The district has over 600 swimming pools located in residential societies, schools, academies, hotels, and sports complexes. "Pool surfaces are often slippery, and Holi celebrations inside pools increase the risk of slips and injuries. Such incidents must be prevented," she added.

Rajiva Singh, president of the federation of Noida apartment owners' association welcomed the move and said this would not only regulate the parties but also save water wastage.

'Cops not implementing Rera orders, so it's practically a closed road for buyers'

Gurgaon. The Gurgaon bench of Haryana Rera has so far issued more than 500 arrest warrants against builders for not contempt of its orders, but not a single arrest has been made, adjudicating officer Rajender Kumar Shastri told TOI on Tuesday.

This, he said, virtually makes Rera interventions in favour of homebuyers futile. He said while the ombudsman's inefficiency has repeatedly come under Supreme Court's scrutiny, Rera will be a "paper tiger" if this is how the system behaves, seeking govt's intervention to change things.

"Parliament passed the Real Estate (Regulation and Development) Act with the object of proper development of the real estate sector and especially to protect interest of homebuyers. True, the purpose of the Act is frustrated, but we cannot blame only real estate regulatory Authorities for this debacle," he said.

While passing the Rera Act, Shastri said, Parliament did not prescribe how orders of Rera would be executed. "So it was left to the Union govt and states to frame rules. About eight years have passed, but the Union govt has not framed any rule for implementation of orders passed by Rera. Though some states have framed rules but those are insufficient to get orders implemented," he said.

Haryana is one such state. In 2017, state rules directed that orders passed by Rera or its adjudicating officers would be treated on a par with a decree passed by a civil court. "The Code of Civil Procedure allows arrest of judgment debtor (developer) by a civil court in case of non-compliance with the order. Invariably, promoters in our courts fail to hand over possession of units despite receipt of entire sale consideration. Finding no other way, when we issue arrest warrants against such erring builders. But it does not lead to follow up action from police," Shastri said.The adjudicating officer said Rera's hands are tied if its orders are not implemented, and as a result, it is unable to deliver justice to homebuyers. Asked if Rera had taken it up with police, Shastri said, "We sought explanations from the DCP HQ, but on multiple occasions received no reply. In some cases, the DCP expressed his inability to make any arrest, saying that being a nodal officer, he receives summonses, notices and warrants from various courts and forums. In some cases, a constable is assigned the duty to execute arrest warrants, but a constable has no power to arrest any person. Now, an ASI is being deputed by Gurgaon Police for this task. But the official completes formalities by visiting the project of the builder or residence and submits a report saying the developer was not found there."

So what has the ombudsman done about this? The adjudicating officer said "at least in 15 cases, references have been made to the Punjab & Haryana high court with a prayer to initiate contempt of court proceedings against the police".

Shastri admitted that in the current scheme of things, "it is practically, a 'road closed' for homebuyers".

After months of dust clouds, finally revamp for SPR in Gurgaon

Gurgaon. Commuters battling potholes and dust on the Southern Peripheral Road (SPR) may finally see some relief, with GMDA set to allot revamp work for the 5.5km-long stretch.

At a review meeting, chaired by Haryana's principal advisor for urban development DS Dhesi on Tuesday, officials confirmed the work will be allotted this week. GMDA hopes to complete the work before monsoon.

The authority had invited bids in Dec last year for strengthening and repairing of SPR from Vatika Chowk to NH-8 at an estimated cost of Rs 9.6 crore.

However, the process was stalled as the civic polls put all new projects on hold. With election results slated for Wednesday, GMDA is now gearing up to resume work on this crucial stretch.

"With conclusion of civic polls, the authority is moving forward with the special repairs of SPR. The work will be allotted within this week and the agency has been directed to mobilise resources immediately to start the special repair work. We are hoping to complete it before the upcoming monsoon season," a senior GMDA official said.

While GMDA completed repairs from Ghata village to Vatika Chowk in March last year, this 5.5km cratered section remained unaddressed, leading to worsening traffic congestion and safety hazards. This vital corridor — serving as a link to sectors 48 and 69-80 and other residential and commercial areas — has deteriorated significantly, developing extensive surface damage such as deep craters, potholes and widespread cracks.

The poor condition of the road has had fatal consequences. In Dec last year, a motorcyclist lost control after hitting a pothole and was fatally struck by a truck. The fatality prompted Gurgaon traffic police to formally request urgent repairs, citing rising safety concerns. Earlier in Oct, the Haryana State Pollution Control Board issued a show-cause notice to GMDA for failing to implement adequate dust control measures on the road.

Beyond the immediate repairs, GMDA is also engaging a consultant to prepare a Detailed Project Report for a more extensive SPR upgrade. The redevelopment of SPR has been in the pipeline since 2019. However, several revisions over the years delayed the execution. The initial plan was to revamp a 14km stretch of SPR from Ghata T-point to NH-8 by building eight flyovers, widening carriageways to six lanes and adding service lanes — all for Rs 845.5 crore.

However, concerns were raised about the need to build three flyovers between Vatika Chowk and NH-8, given that the traffic volume wasn't too high on the stretch.

Eventually, the govt approved a 5.5km signal-free elevated corridor from Vatika Chowk to the CPR-SPR junction on NH-48 last year, ensuring a seamless connection from Shiv Murti in Delhi to the Delhi-Mumbai Expressway.

"The authority will allot the work this week to the consultant for preparation of the DPR and the tender for this project will be invited by Aug," the official said.

Dhesi said the SPR upgrade and proposed interchange at Vatika Chowk will significantly decongest key junctions. "Once completed, this project will provide high-speed, seamless connectivity between the newly constructed Dwarka Expressway, NH-48 and the Gurgaon-Sohna elevated corridor. The interchange at Vatika Chowk will also offer a connection between SPR and the Gurgaon-Sohna Expressway, reducing traffic at Vatika Chowk, Subhash Chowk and the service roads of the Gurgaon-Sohna Highway," he said.

News box

Maximum temp likely to go up by 2°C today in Gurgaon

Gurgaon. The city on Tuesday recorded a marginal dip in its maximum temperature, dropping by 0.6 from the previous day to 30 degrees Celsius, which stood 1.1 degrees above normal. The air quality deteriorated on Monday, registering a 'poor' reading of 255, slightly higher than Sunday's 'poor' 204, according to Central Pollution Control Board (CPCB).

Meteorologists recorded a minimum temperature of 15.8 degrees Celsius, 3.2 degrees above the seasonal average and 1.9 degrees lower than the previous day due to overcast conditions. India Meteorological Department (IMD) projected a gradual rise of two degrees Celsius in both maximum and minimum temperatures.By March 12, the maximum temperature could reach 33 degrees Celsius, while the minimum temperature might touch 20 degrees. The city may see a partially overcast sky and a likelihood of thunderstorms on March 14.

Car knocks down bike, lab employee (30) dies in Gurgaon

Gurgaon. A 30-year-old man died when his bike was hit by a car at Sohna on Monday afternoon. According to police, the victim, Ankur Katiar (30), an employee at the city's Max Lab, was en route to Sohna to collect a blood sample.

The accident occurred at noon on Monday, when he reached the Sohna Dhanu turning on the non-elevated portion of the road; a speeding car hit him from behind.The accused abandoned his car near the accident spot and fled, said police. A fatal accident case has been registered by the police, and the accused is yet to be arrested.

SI Balbir Singh said, "Ankur fell a few feet away from his bike and suffered a head injury. Alerted by the locals, our team rushed to the spot and shifted the victim to Sohna Civil Hospital, where he was declared brought dead."

In his complaint to the police, Ankur's cousin, Nikhil Gangwar, alleged that his brother died due to the rash and negligent driving of the car driver and also requested police to initiate strict legal actions against him.

The victim's body was sent for autopsy.

"After the autopsy, the body was handed over to the family on Tuesday. We seized the car of the accused from the crime scene on Monday. We are trying to identify the accused and arrest him," the SI said.

A case was registered under sections 106 (causing death due to a rash or negligent act) and 281 (rash driving on a public way) of the BNS during the early hours of Tuesday.

2.5k fined Rs 25 lakh for dangerous & wrong-side driving last month in Gurgaon

Gurgaon. As many as 2,553 people were fined for dangerous and wrong-side driving, amounting to a fine of Rs 25 lakh last month. A special campaign was held from Feb 1 to Feb 28 to curb drivers violating dangerous driving and U-turn rules, said a police officer.

Police issued 277 challans for dangerous driving amounting to a total penalty of Rs 13.9 lakh and 2,276 challans for dangerous driving at U-turns, totalling Rs 11.6 lakh. DCP (traffic) Virender Vij said the goal of the police department is to make the city roads safer and prevent road accidents.

"Your small negligence can heavily impact someone else's life," said the DCP, adding that awareness campaigns are also being conducted across the city to educate people about traffic norms. Last month, 92 awareness programs on road safety and traffic rules were held, which helped educate nearly 9,000 people.

Cops also urged the citizens to not allow their minor children to drive, to avoid triple riding, and to wear helmets.Also, people were asked not to drive on the wrong side and to avoid taking dangerous U-turns, to drive heavy vehicles in the designated lane, and not to drive under the influence.

Deadline month away, but RTE admissions not started yet in Noida and Ghaziabad

Noida/Ghaziabad. Despite govt directives to expedite the admission process, Right to Education (RTE) admissions for several private schools in Noida and Ghaziabad are yet to commence. Three rounds of lotteries and school allotments have been completed on time, but private schools across the two districts said they cannot complete RTE admissions until April due to the ongoing board exams.

This session, for the first time, RTE admissions process began as early as Dec, 2024, with the aim of completing it by April in an effort to prevent delays. Earlier, RTE admissions extended well into Sept, with students finding it deifficult to cope up with catching up with the syllabus mid-session.As per education department guidelines, the process is to be conducted in four phases, with the final phase concluding on March 27 this year, to ensure the new academic session starts in April.

"Though the lottery rounds were completed on schedule, private schools have yet to finalise admissions. Many schools received allotment letters but have not confirmed the admissions, citing ongoing CBSE exams as the primary reason for the delay," said a senior official from the basic education department, Noida. Officials said that the admission process often takes longer than expected, which leads to academic delays.

NEWS BOX

Djokovic crashes out at Indian Wells as Alcaraz sails through

INDIAN WELLS. Five-time champion Novak Djokovic tumbled out of the Indian Wells ATP Masters on Saturday, falling in his first match to lucky loser Botic van de Zandschulp as two-time defending champ Carlos Alcaraz advanced."No excuses for a poor performance," 24-time Grand Slam champion Djokovic said after 37 unforced errors in a 6-2, 3-6, 6-1 defeat.

"It doesn't feel great when you play this way on the court," he added. "But congratulations to my opponent -- just a bad day in the office, I guess, for me."Djokovic is just the latest in van de Zandschulp's string of superstar victims.He stunned Alcaraz at the US Open last year before beating Rafael Nadal in Davis Cup in what proved the Spanish great's last match.

"I think I kept my cool during the whole match," said van de Zandschulp. "I know if I go into the match and lose my cool, especially against the big players, it's going to be a really tough day. That's always one thing I'm trying to do well."After 14 unforced errors in the first set, Djokovic cleaned things up in the second, grabbing a quick break on the way to a 3-0 lead.Djokovic pumped his fist after belting a forehand winner to the corner for his first

break chance of the match and after consolidating the break nodded his head in satisfaction.The rallies remained tense affairs and Djokovic's frustration was clear at times, but after he was broken when serving for the set he closed it out on his next service game.It was only a brief respite. Van de Zandschulp kept the pressure on both from the baseline and at the net and Djokovic's errors began to pile up again.

Van de Zandschulp took control with a break for 3-1, reeling off the last five games as Djokovic was unable to stop the bleeding.

"The first three games, four games of the third set were quite close," Djokovic, seeded sixth, said. "Had my chances. Was just some awful mistakes."Italian Matteo Arnaldi sprung another upset, beating seventh seed Andrey Rublev 6-4, 7-5. Djokovic and Rublev followed top seed Alexander Zverev and fourth seed Casper Ruud as second-round casualties.

What is Rohit Sharma's legacy in white-ball cricket Deep Dasgupta explains

NEW DELHI. Deep Dasgupta feels that the legacy of Rohit Sharma has been about how he has changed the perception of white-ball cricket in the past few years. Since the 2023 ODI World Cup, Rohit has adopted an aggressive approach which has allowed the rest of the team to step up as well. Rohit's aggressive intent has given India some big starts.

With rumours floating about his future in cricket, Dasgupta was asked about Rohit on Star Sports. The former wicketkeeper said that Rohit has changed the mindset of people when it comes to white-ball cricket. Dasgupta pointed out how Rohit has all been about impact and not about the numbers in the past few years and feels he has led the way for the rest of the team."Change the mindset of how kids in India, the next generation will play white-ball cricket and how we, as viewers, kind of consume ODI cricket or 20-over cricket and the effect of

impact. We've stopped talking about sheer numbers nowadays. If you look at it, we talk about impact now and how impactful an innings was and that's what I think Rohit has done as a leader, as a batter, showing the way to the rest of the guys, and he's been absolutely phenomenal," said Dasgupta.

'India not dependent on top 3 anymore'

Dasgupta pointed out how India is not depending on the top 3 to fire always and the rest of the side is also stepping up. Dasgupta feels that this has only been possible thanks to Rohit's approach.

"For somebody who is known to score those daddy hundreds, double hundreds, to change his game. In 2019, 2020, I still remember India's top three getting something like 65, 67 percent of the runs and we would be dependent on them to score those big runs."

"But it's not about them anymore. It's now become a proper unit where everyone comes in and contributes. Virat Kohli is the glue. Keeps them together, Rohit gives them an explosive start, then Shreyas, Shubman, they all come in. Axar coming in at five and it's phenomenal."

Barcelona vs Osasuna postponed minutes before kickoff after first team staff dies

FC Barcelona vs Osasuna was postponed at the last minute after Barcelona's first team doctor died in the afternoon. Both teams had announced their line-ups and were warming up before the game was called off.

New Delhi. Barcelona's home game against Osasuna was postponed just minutes before kick off after the death of a member of Barcelona's medical staff on Saturday, March 8.. Fans were informed of the decision minutes before the game was scheduled to kick off on Saturday night in Barcelona at Llus Companys Olympic Stadium.Both teams announced the line-up, and the players went in to warm up, before Barcelona declared that the game was postponed via the stadium speakers."FC Barcelona is sorry to announce the sad news of the death of first team doctor Carles Miarro Garcia this Saturday afternoon. As a result, the game between FC Barcelona and CA Osasuna has been postponed until a later date. The FC Barcelona Board of Directors and players wish to express their utmost sympathy to the family and friends of the deceased, and join them in mourning at such a difficult time," the club said in its official statement.

Osasuna also conveyed their condolences via an official statement on Saturday."Club Atltico Osasuna wishes to convey its deepest condolences to the family of Dr. Carles Miarro Garcia and would like to send a warm hug to all the staff of FC Barcelona, as well as to its fans, at this difficult time. May he rest in peace. Goian gebo," Osasuna wrote on X.

We are in a state of shock: Laporta

Barcelona president Joan Laporta said in a video released by Barca that are in a state of shock. Laporta said that it was the best call to postpone the game and they had contacted LaLiga president Javier Tebas and there was a complete understanding.

"We are in a state of shock," Barcelona president Joan Laporta said in a video released by the club. "Carles was loved by everyone. As you can imagine, we are all extremely sad.""He was someone who travelled with the team for every game to look after the players and the staff. He never said 'No' to anyone. He was a great professional and a great medic.""We were quickly in touch with his family. We wanted them to know immediately. Carles leaves behind two kids, Gerard and Anna. His wife, as you can imagine, is deeply upset."

"We offer them our full support in this difficult moment, while asking for the understanding from our supporters and the world of football [for postponing the game].""Out of respect for Carles, his family, the players and the staff, we thought it was best to suspend the match and we took the necessary decision in the moment.""We were in contact with the president of LaLiga [Javier Tebas] and there was complete understanding. Osasuna also behaved extraordinarily; there was comprehension from their president, directors and coach."

Most of the supporters were in the stadium when the decision was made. At first there was uncertainty as the players didn't come out to warm up, with an announcement arriving 20 minutes before the start the game.

Barcelona currently sit at the top of the league table in Spain with 57 points from 26 games. The team made a remarkable recovery after their bad patch in December. The team has won their last 5 matches in the domestic competition, and is coming off a gritty 1-0 win over Benfica in the Champions League.

Beth Mooney: One of the best in the world, by design

New Delhi. There are not many players quite like Beth Mooney in women's cricket. One cannot put her in a box. Since the start of her career in early 2016, she has done what was required for Australia. Be it opening the batting with fellow left-hander Nicole Bolton at the start of her career in ODIs or dropping down the order once team management decided to give Alyssa Healy a go at opening after the 2017 World Cup, Mooney has done it all for the team. Whatever role she has been asked to do, with the bat, in the field, or even behind the stumps, Mooney has not just accepted it but she has excelled at that.

Maybe it has all been by design and not just something that happened accidentally. Kirby Short, one of Mooney's close friends and her captain at Brisbane Heat, knows this better than anyone else. She remembers meeting the teenager walking into the Queensland setup. "The first time I met Beth, she was a teenager who had been brought into the Queensland Fire set up by our coach, Andy Richards," she told this daily.Despite proving herself as a genuine performer in the domestic setup and making it to the Australian squad, for almost two years, Mooney ran drinks as Australia won the 2014 T20 World Cup. She was part of the squad that had some of the best players in the world for specific roles. The likes of Meg Lanning, Alex Blackwell, Alyssa Healy and Jess Cameron meant Mooney had the slimmest of chances to make it the playing XI. It was only in January 2016 that the

window of opportunity opened, and she made her international debut against India.

Short believes that the wait game played a role in making Mooney the player she is. A clear message from then head coach Matthew Mott to work on her fitness pushed the left-hander to be her best. "Seems like a lifetime ago when she wasn't sure if she'd 'make it.' It was actually a big decision for her to stop studying and quit her part-time job at a grocery store and work hard, particularly on her fitness, to try and create an opportunity for herself. She flipped a switch during that period," Short added.And even after all of this, given the superstars in that Australian squad, Mooney does go under the radar. Short believes that is also by design. "She definitely likes flying under the radar; it suits her personality! Given her extensive skill set, she's able to play multiple roles, which makes her valuable for the team she's in. Added to that, she enjoys the challenge of getting better and evolving her game. Ultimately, she just wants to contribute to and feel valued by any team she is in," Short mentioned.Mooney's fitness, ability to play the role she is required to and a complete mastery over her skills were on full display in the recently concluded women's Ashes when she not only took over wicket keeping duties from captain Healy but also scored 409 runs across seven innings, the most by any in the multi-format series, including a century in Test at the iconic Melbourne Cricket Ground. With that, she became the first Australian woman to score centuries in all three formats. "It was special. I have played a little bit of Test cricket but not a lot of it. I was pretty pumped to have gotten over the line there. More importantly, I was glad that we got over the line as a group in the fashion that we did," Mooney told this daily after the series.

Sharath Kamal, the relentless paddler who built Indian table tennis from the ground up

New Delhi. It's difficult to quantify phrases like 'giving back to the community' from a sporting context. One athlete, though, satisfies the phrase. A Sharath Kamal, the ace Indian paddler who will step away from the table following this month's World Table Tennis Star Contender event at Chennai.

For nearly two decades, Sharath was the past, present and future of the sport in India. An ever-present like the seasons, he was – it still feels weird writing about the 42-year-old in the past tense – there, doing his thing across competitions.A national? He would invariably occupy the top-step of the podium. A Commonwealth Games? His neck would be adorned with multiple medals once every four years. Asian Games? A history-writing double in 2018. The Olympics? From a country still struggling to produce athletes capable of qualifying for the Games on merit, the Tamil Nadu man has been to five of these... an outlier any which way you want to look.

His greatest legacy though? It's in multiple ways. When he came into the sport, forget a ceiling. Even a floor didn't exist. He literally built a house, showing Indians it was possible to make a name in the sport. In 2025, there's a floor, a ceiling and a steady stream of players who all cite 'Sharath anna' (elder brother) as the reason for them picking table tennis as their calling.Away from the table, he also told Indians it was possible to lose with grace. In an interview he gave to this daily after coming back from the Birmingham Games in 2022, Sharath, unlike a lot of other athletes, spoke about why it was okay to be overlooked for the Khel Ratna award. "It's the Khel Ratna alone which is missing," he had said. "It's for the best sportsperson across all sport. So, when you look at a Srikant Kidambi, World No 1... I'm World No 30. Then, Neeraj Chopra. Even before his gold at the Olympics, he had won Commonwealth Games, World juniors. So, how can I compare myself with them?

"When I look at (PV) Sindhu coming and telling me 'anna, what you have done is fantastic' or a Gopichand 'man, I don't understand how you have done it'... it shows I have truly earned my spot among the best sportspersons True. But he also constantly kept at it as he kept reinventing himself.

Salah fires Liverpool 16 points clear, Forest beat Manchester City

LONDON. Premier League leaders Liverpool needed two Mohamed Salah penalties to beat bottom-of-the-table Southampton 3-1 on Saturday, while Nottingham Forest took a giant step towards the Champions League with a 1-0 win over Manchester City.

Liverpool stretched their lead at the top to a massive 16 points, despite a lethargic first 45 minutes.Fresh from a smash-and-grab 1-0 Champions League victory over Paris Saint-Germain, Liverpool boss Arne Slot made just three changes.However, the Dutchman was forced into making three half-time alterations to kickstart the champions-elect."The manager was like going for us – but that's something you need sometimes. Because first half, the game was sloppy," said Salah.outhampton have taken

just nine points from 28 games all season, but stunned Anfield when Will Smallbone fired the visitors in front in first-half stoppage time.

Alisson Becker was Liverpool's hero at the Parc des Princes on Wednesday but the Brazilian and Virgil van Dijk got in each other's way to allow Smallbone to roll into an unguarded net.Slot turned to Harvey Elliott, Alexis MacAllister and Andy Robertson at the break, and the changes had the desired effect with two goals in three minutes before the hour mark.Darwin Nunez levelled with a sharp near-post finish from Luis Diaz's cross.Nunez was then upended inside the area and Salah converted from the spot.The Egyptian slotted home a second penalty two minutes from time to take his tally for the season to 32 goals.

Second-placed Arsenal have two games in hand on the leaders, the first of which comes away to Manchester United on Sunday.

But it appears a matter of when not if Liverpool will clinch just their second league title in 35 years.

Trust the process: India's post-2022 approach has yielded strong results

India's fearless resurgence under Rohit Sharma has redefined their cricketing identity, turning past heartbreaks into stepping stones for success. As they face New Zealand in the Champions Trophy final, their attacking philosophy remains unwavering.

New Delhi. India's fearless resurgence under Rohit Sharma has redefined their cricketing identity, turning past heartbreaks into stepping stones for success. As they face New Zealand in the Champions Trophy final, their attacking philosophy remains unwavering.

Rohit Sharma: Leading from the front

At the heart of this transformation is Rohit Sharma. As captain, he has made it a priority to set the tempo right from the opening slot, ensuring that India's intent is clear from the start. Since the disappointment of the 2022 World Cup, Rohit has put the team's ultimate objective of winning titles above personal milestones or statistical achievements. His leadership has fostered a mentality where aggression is not just encouraged but expected."We've made it very clear after the T20 World Cup in Dubai, where we didn't qualify for the finals, that we felt there needed to be a change in our attitude and approach in how we play our game," Rohit told Star Sports after the 2022 T20 World Cup."If the message is clear from the captain and the coach about where the team is trying to head, then the individuals will definitely try to do that. For that to happen, they need freedom and clarity, and that's what we are trying to do. We are trying to give them as

much freedom as possible," he added.

Across all formats; ODIs, Tests, and T20Is, Rohit has championed a consistent approach. His willingness to take calculated risks at the top of the order has not only lifted the pressure off the middle order but has also emboldened the entire batting unit to play with greater freedom. It is this philosophy that has propelled India to yet another ICC final, reinforcing their dominance in international cricket.

Fearless cricket, unshaken by setbacks

India's aggressive intent was on full display throughout the 2023 ODI World Cup, where they remained unbeaten until the final. However, their crushing defeat to Australia in Ahmedabad was a bitter pill to swallow. Many speculated that such a setback would force India to reconsider their attacking approach, potentially leading to a more cautious style in future tournaments. Yet, Rohit Sharma's side refused to compromise on their intent.Instead of retreating into a more conservative game plan, India doubled down on their approach. This mindset bore fruit when they clinched the 2024 T20 World Cup, showcasing their ability to stay committed to an aggressive philosophy even in high-pressure situations. Now, just months later, they stand on the brink of another ICC title, proving that their fearless style is not just a temporary shift but a long-term blueprint for success.

Parineeti Chopra

Makes Netflix Debut With Thriller Series, Starts Shooting

Parineeti Chopra starts filming her Netflix debut, a thriller series in Shimla, produced by Siddharth P Malhotra and directed by Rensil D'Silva, featuring Tahir Raj Bhasin, Anup Soni, and Jennifer Winget.

Bollywood's favourite girl-next-door, Parineeti Chopra, is all set to bring her charm to the world of streaming. The actress has officially begun shooting for her Netflix debut, and guess what? It's not a rom-com but a thriller series. Netflix has now announced its upcoming compelling Mystery Thriller set amidst the picturesque hills of Shimla.

Produced by the acclaimed Siddharth P Malhotra, director of Maharaj and Sapna Malhotra of Alchemy Productions and written and directed by the visionary writer Rensil D'Silva of Rang De Basanti and Ungli fame, the currently untitled series promises a gripping blend of intrigue and suspense.

The series boasts an ensemble cast including Tahir Raj Bhasin, Anup Soni, Jennifer Winget, Chaitannya Choudhry, Harleen Sethi, and Soni Razdan.

Parineeti shared a post on X and wrote, "Some mysteries don't just unfold—they pull you in, keep you guessing, and refuse to let go" We've got a lead on this case. A new mystery thriller series is in the making! Shooting has begun, can't wait for you all to see this labor of love from team Netlfix and us when it's ready! Making my series OTT debut (sic)."

Speaking to the exciting new series and cast, the creators Siddharth Malhotra and Rensil D'silva shared, "We are thrilled to collaborate on this Noir Mystery Thriller with Netflix, a platform that celebrates storytelling in its most diverse and compelling forms. Working with Netflix has allowed us the creative freedom to push boundaries and bring a unique narrative to life. With a cast as talented as this and Parineeti choosing to foray into series with our production, we are excited for what lies ahead and cannot wait for the world to watch the mystery unfold."

Tanya Bami, Series Head, Netflix India, added, "Some mysteries don't just unfold—they pull you in, keep you guessing, and refuse to let go. Set against the misty hills of Shimla, this gripping thriller unravels secrets, emotions, and the depths of human nature with unmatched intensity. With the creative vision of Rensil D'Silva and Siddharth P. Malhotra, and a powerhouse cast featuring Tahir Raj Bhasin, Anup Soni, and Harleen Sethi, the series captivates from the very first scene. We are delighted to welcome Parineeti Chopra back to Netflix following her stellar performance in Amar Singh Chamkila—now in her first-ever series and we're equally excited to have Jennifer Winget join us: Prepare for a journey that will keep you on the edge of your seat, hooked and guessing until the very end."

This thriller series marks Parineeti Chopra's fourth outing with Netflix. She previously teamed up with the platform for Ribhu Dasgupta's mystery drama The Girl on the Train, Imtiaz Ali's biographical film Amar Singh Chamkila alongside Diljit Dosanjh, and an upcoming romantic comedy directed by Dhruv Tripathi. With each project spanning a different genre, Parineeti is proving she's here to conquer every corner of the OTT world!

Govinda's Wife Sunita Ahuja

Lived Separately, She Feared He Was Cheating: 'Never Trust A Man'

Govinda and Sunita Ahuja may divorce after 37 years. Sunita hinted at worries about Govinda cheating and revealed they lived separately amid unconfirmed disagreements.

In the latest shocking development, Govinda and his wife Sunita Ahuja may be heading for divorce after 37 years of marriage, according to reports. However, it has to be noted that the couple has not confirmed or denied the news yet. According to unverified sources, ongoing disagreements and differing lifestyles have led to frequent arguments between them.

This reminds us of a recent interview that Sunita gave wherein she hinted at her worries about Govinda cheating on her. She had made some startling revelations about their marriage including the fact that they lived separately.

Sunita had revealed that she was the one who initiated their relationship, as Govinda "was even scared to touch women." However, she added that Govinda is not the romantic type, at least not in real life. "Now, I don't know if he has become like that. You never know what people do behind your back. Never trust a man. People change colours like a chameleon. It's been 37 years since we got married. Where would he go? Earlier he never went anywhere, now I don't know…" she said in an interview with Hindi Rush.

Sunita also shared that they mostly lived in separate houses, with Govinda often staying at his bungalow. "We have two houses, we have a bungalow opposite our apartment. I have my temple and my kids in the flat. We live in the flat whereas he gets late after his meetings. He loves talking so he'll gather 10 people and sit chatting with them. Whereas me, my son and my daughter live together, but we hardly talk because I feel if you end up wasting your energy by talking too much," she explained.

When asked about Govinda's romantic nature, Sunita said, "I have told him that in my next life, he should not be my husband. He doesn't go on holidays. I am a person who wants to go out with her husband and eat pani-puri on the streets. He spent too much time working… I don't recall a single instance when we both went out to watch a movie."

Sunita also shared that she used to feel secure in her marriage earlier but it's not the case anymore. "I used to be very secure earlier on in our marriage, now I am not," she said with a laugh. "Kya hai na saath (60) ke baad log sathiya bhi jaate hai na… (After 60, people even lose their senses) He has crossed 60, you never know what he does…" she added.

News18 Showsha contacted Sunita Ahuja and daughter Tina Ahuja for a comment, but they had not responded at the time of publication.

Jyotika On Facing Sexism For Being Married To 'Superstar' Suriya: 'You May Have Identity Crisis'

After 26 years, Jyotika returned to Hindi films with Srikanth in 2024. And now, she's gearing up for the release of her next Hindi project, Dabba Cartel, a series that chronicles the story of five ordinary women, who accidentally become involved in a high-stakes drug cartel. The film sees Jyotika playing a housewife of a business tycoon, who has put her own high-profile career on hold to focus on her family. Incidentally, in real life, she too took a hiatus from the movies after her marriage to south star Suriya in 2006.

Dabba Cartel, apart from narrating a gripping investigative tale, also touches upon the theme of casual sexism. Now, in an exclusive chat with News18 Showsha, Jyotika reveals that despite spending so many decades in the film industry, she often faces discrimination for being a woman and a large part of the same stems from being Suriya's wife. "It seems like an everyday thing. I'm married to a superstar. So, I face it every now and then, till date. I see it happening even during interviews," she tells us.

Explaining her stance further, she says, "If I say that I feel lucky to have married Suriya, people say that he's a really nice guy. If he says that he feels lucky to have married a nice woman, it suddenly becomes something like Suriya is such a nice guy that he's thinking of his wife. You experience casual sexism even when it comes to materialistic things. I may buy a car but someone else is supposed to press the button and check the features out. It's now a part of daily life. There are hundreds of instances that I can point out."

And this discrimination just doesn't end here. According to Jyotika, it often makes her question her own identity. "Sometimes, it reaches a level where you may have an identity crisis. A woman's search for her identity also nudges one to take a lot of decisions and make choices on their own. That's also how I chose my career path," she states. For the unversed, Jyotika and Suriya had first met on the sets of the 1999 Tamil film, Poovellam Kettuppar. After dating for a few years, they finally got married that led her to shift base from Mumbai to Chennai.

A while ago, Suriya had revealed that post the pandemic, they shifted back to Mumbai as a family to help revive Jyotika's career and give a regular lifestyle to their children. Earlier, in an interview with us, Jyotika spoke about her strong relationship with Suriya and said, "My husband is my best friend. He was the first guy I met in the industry and I did my first film with him. We remained friends for a long time. Since we've lasted this long and continue to, I'm imagining that it's because of the friendship we share."

John Abraham Calls Entourage Costs 'Mental', Urges Actors To Cut Down Fees: 'We Are Suffering'

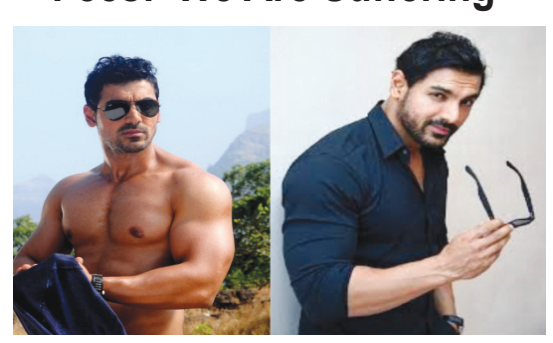

John Abraham recently expressed his take on why the film industry is suffering. He called out actors demanding a hefty fee and loading a film with their entourage costs. He introspected the dire condition of the film industry, stating that it is "bleeding". The Satyameva Jayate actor also suggested that actors accept a pay cut and work on a film from the backend.

"It's already hurting Hindi cinema," John Abraham told The Hollywood Reporter. He added, "At this point of time, we shouldn't be paying people to act in films because we don't justify those huge budgets. The huge fees that we get paid, and we can't load a film with entourage costs as well. It's ridiculous. Don't know if actors are thinking this way or is it their agent making them think differently. I understand you are put in a bubble, but you can't be so daft. You need to see the real world. If people are blowing sunshine from your backside, you need to wake up and smell the coffee. As an industry, we are really suffering."

The actor said that stylists these days charge Rs 2 lakh per day, which is "mental". He called this one of the reasons why the film industry is not able to rake in money. "First thing to make amends is by cutting your personal cost. When a director tells you that you aren't worth that much, you need to take that in cognizance. We don't have that thought yet. We compare ourselves to other actors, and we want to broadcast our fees, and that's the worst thing to do," explained John. The Jism star further expressed his concern for the industry and said that it's time actors realise the "deep black hole" they are steadily seeping into. He felt artists should go to the backend to work on a film. He further added that actors' profit-making from films should be dependant on the film's box office business. "How much more will you suck the system dry?", a concerned John said.